



वर्ष-31 अंक : 48 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.3 2083 मंगलवार, 19 मई-2026

पीएम मोदी की नौवें यात्रा : 100 बिलियन का निवेश और 10 लाख नौकरियां

‘वैश्विक शांति की अपील की’

ओस्लो, 18 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नौवें के अपने समकक्ष जोनास गहर स्टोर के साथ व्यापार और निवेश, हरित प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत की। स्वीडन से दो दिवसीय दौर पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर नौवें के प्रधानमंत्री स्टोर और स्कैंडिनेवियाई देश के अन्य शीर्ष नेताओं ने स्वागत किया। यह पीएम मोदी की नौवें की पहली यात्रा है और 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की भी इस देश की पहली यात्रा है। इस दौरान पीएम मोदी ने नौवें के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, नौवें की यात्रा करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह देश नेचर और ह्यूमन प्रोग्रेस के



बीच हार्मनी का एक सुंदर उदाहरण है। सबसे पहले, मैं प्रधानमंत्री का इस आत्मीयता भरे स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। और कल नौवें के संविधान दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं विश्व

के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से, नौवें जैसे सुदृढ़ और जीवत लोकतंत्र की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। पहलगाम हमले पर एकजुटता दिखाने पर धेन्यू बोला :

पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं पिछले वर्ष नौवें आने वाला था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण वह यात्रा स्थगित करनी पड़ी। उस कठिन समय में नौवें ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया। आज जब मैं नौवें आया हूं, तो मैं उस एकजुटता के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान दुनियाभर में जारी संघर्षों और युद्ध का जिक्र भी किया। पीएम मोदी ने कहा, आज विश्व एक अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन हो या वेस्ट एशिया, दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में, भारत और यूरोप, अपने संबंधों के एक नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहे हैं। पीएम मोदी ने भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट का भी उल्लेख किया। >14

पश्चिम बंगाल के सीएम शुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर से पकड़ा

मुजफ्फरनगर, 18 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई ने हरिद्वार से लौटते समय बलिया के शार्प शूटर राजकुमार सिंह को गिरफ्तार कर

लिया है। छपार क्षेत्र में टोल प्लाजा के निकट से उसे पकड़ा गया। ट्रांजिट रिमांड के लिए सीबीआई सीजेएम कोर्ट पहुंच गई है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीएम) चंद्रनाथ रथ की उमर 24 परगना के इसक के बाद छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार को दबोच लिया गया।

करीबी सीबीआई की जांच में बलिया के रातोपुर निवासी राजकुमार सिंह का नाम सामने आया था। राजकुमार अपने परिवार के साथ सोमवार तड़के हरिद्वार से वापस लौट रहा था। सीबीआई की टीम ने पहले से ही मुजफ्फरनगर स्थित टोल प्लाजा पर डेरा डाल रखा था। इसके बाद छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार को दबोच लिया गया।

पालघर में ट्रक-कंटेनर की टक्कर, 12 की मौत

ट्रक में 100 से ज्यादा लोग सवार थे, सभी सगाई में जा रहे थे पालघर, 18 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर सोमवार को ट्रक और कंटेनर की टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक सवार 12 लोगों की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक डहाणू तहसील के बाणपाण से 100 से ज्यादा लोग एक सगाई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ट्रक में जा रहे थे।

बंगाल भर्ती घोटाले में ईडी का शिकंजा

पूर्व चेयरमैन पंचू राय से

पूछताछ, जांच का दायरा बढ़ा

कोलकाता, 18 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कथित नगर पालिका भर्ती घोटाले की जांच लगातार गहराती जा रही है। पूर्व अग्रिमन मंत्री सुजीत बोस की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने दक्षिण दमदम नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन पंचू राय से पूछताछ शुरू की है। सोमवार को पंचू राय कोलकाता के साल्ट लेक स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे कथित कैश फॉर म्यूसिपल जॉब्स घोटाले को लेकर सवाल-जवाब किए गए। सूत्रों के मुताबिक ईडी अधिकारी उसे पूर्व मंत्री सुजीत बोस के साथ आमने-सामने बैठकर भी पूछताछ कर सकते हैं। पिछले सप्ताह ईडी ने लंबी पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद पूर्व मंत्री सुजीत बोस को गिरफ्तार किया था।

पेपर लीक रोकने के लिए परीक्षा को कंप्यूटर आधारित

कराने की मांग, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर कर नीट-यूजी परीक्षा को तुरंत कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में बदलने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि बार-बार होने वाले पेपर लीक और सुरक्षा की कमियों ने मौजूदा पेन-पेपर सिस्टम की पोल खोल दी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) का मौजूदा तरीका सुरक्षित नहीं रह गया है। याचिका के अनुसार, 2024 के विवाद के बाद इसरो के पूर्व अध्यक्ष के राधाकृष्णन की समिति ने सुधारों की सिफारिश की थी। इसके बावजूद 2026 की परीक्षा पुराने ढंग से ही कराई गई। इसमें पेपर की छपाई, उसे लाने-ले जाने और रखने में बहुत जोखिम होता है।

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

नीट केस में महाराष्ट्र की केमिस्ट्री कोचिंग का डायरेक्टर अरेस्ट

सीबीआई को फोन में लीक पेपर मिला, सेंटर पर भी छापेमारी, अब तक 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली/मुंबई, 18 मई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक केस में सोमवार को 10वीं गिरफ्तारी हुई। सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग डायरेक्टर शिवराज रघुनाथ मोटोगांवकर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, रविवार को सीबीआई की तलाशी के दौरान रघुनाथ के मोबाइल से नीट यूजी का लीक पेपर बरामद हुआ। सीबीआई के मुताबिक मोटोगांवकर संगठित गिरोह का हिस्सा है, जो नीट पेपर लीक कराने और आगे फैलाने में शामिल है। उसने अन्य आरोपियों



के साथ मिलकर 23 अप्रैल को ही पेपर और आंसर की हासिल की और कई लोगों को दी थी। सीबीआई ने 15 मई को मोटोगांवकर से उसके घर पर 8 घंटे पूछताछ की थी। मोटोगांवकर का लातूर समेत 7 जिलों में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस

(आरसीसी) नाम का कोचिंग सेंटर है। रविवार को सीबीआई ने आरसीसी के मेन ऑफिस पर छापे मारकर कई डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोचिंग सेंटर का 100 करोड़ का टर्नओवर है। सीबीआई को शक है कि सेंटर में नीट कैंडिडेट्स को लीक पेपर के सवाल उपलब्ध कराए गए। साथ ही लातूर के कई डॉक्टरों ने लीक पेपर खरीदा। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें से 6 महाराष्ट्र से हैं।

केरल में सरकार बनते ही सीएम सतीशन ने लिए बड़े फैसले

> बुजुर्ग महिलाओं और आशा कार्यकर्ताओं को दिया तोहफा

तिरुवनंतपुरम, 18 मई (एजेंसियां)। केरल में सोमवार को एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। वीडी सतीशन के नेतृत्व में नई सरकार ने औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। दस साल के लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन राज्य की सत्ता में लौटा है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए तिरुवनंतपुरम में हजारों समर्थक जमा हुए।

शपथ ग्रहण समारोह खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री सतीशन और उनके 21 मंत्रियों का मंत्रिमंडल लोक भवन पहुंचा। वहां केरल के राज्यपाल राजेंद्र विजयनाथ अलैंकर ने उनके लिए चाय का आयोजन किया था। इस दौरान मंत्रियों ने



एक-दूसरे को बधाई दी और शासन की नई जिम्मेदारियों पर चर्चा की। बारिश के बीच सचिवालय पहुंचे हजारों समर्थक : जब नए मंत्री पहली कैबिनेट बैठक के लिए राज्य सचिवालय के

स्वागत कर रही थी। इस भीड़ में बड़ी संख्या में सचिवालय के कर्मचारी, पार्टी कार्यकर्ता और आम लोग शामिल थे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि सुरक्षाकर्मियों को मंत्रियों को अंदर ले जाने में काफी मशकत करनी पड़ी। मुख्यमंत्री सतीशन ने सबसे पहले अपने कार्यालय में प्रवेश किया। वहां उन्होंने सत्ता हस्तांतरण से जुड़ी शुरूआती फाइलों पर हस्ताक्षर किए और आधिकारिक रूप से अपना पद संभाला। मुख्यमंत्री के औपचारिकताएं पूरी करने के दौरान उनके सभी कैबिनेट सहयोगी पास के मीटिंग हॉल में जमा हो गए। कुछ ही देर बाद सतीशन कैबिनेट रूम में पहुंचे और अपनी कुर्सी संभाली।

योगी बोले-सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देंगे

> संख्या ज्यादा है तो कंट्रोल क्यों नहीं करते > प्यार से नहीं माने तो दूसरा तरीका अपनाएंगे

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। यूपी में बकरीद से एक हफ्ते पहले सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी ने सख्त चेतावनी दी। सोमवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ने दी जाएगी। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। योगी ने कहा, नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे।

सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा- लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या यूपी में सड़कों पर नमाज होती है? मैं कहता हूं- कतई नहीं। सड़कें आम लोगों के चलने के लिए हैं। कोई भी आकर ट्रैफिक डिस्टर्ब करे, यह अधिकार किसी को नहीं है। योगी ने आगे कहा, उन लोगों ने मुझसे कहा कि



साहब कैसे होगा, हमारी संख्या ज्यादा है। हमने कहा- तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है, तो संख्या कंट्रोल कर लो। सामर्थ्य नहीं है, तो क्यों बेकार में संख्या बढ़ाई जा रही है? सभी को सिस्टम से रहना होगा। सभी को कानून का राज मानना होगा। सीएम योगी ने बरेली में हुए बवाल का भी जिक्र

किया। कहा- बरेली में लोगों ने हाथ आजमाया था, ताकत भी देख ली। कानून सभी के लिए बराबर है। किसी को भी सड़क जाम करने या अव्यवस्था फैलाने की छूट नहीं दी जाएगी। दरअसल, यूपी में सितंबर 2025 में आरंभ हो रहे मोहम्मद को लेकर विवाद हुआ था। बरेली में मुस्लिम नेता मौलाना तौकीर रजा ने नमाज के बाद धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया था। पुलिस ने रोकता तो पथराव हो गया था। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। >14

सुरक्षा कैप जनसेवा केंद्र में होंगे तब्दील आदिवासियों को नौकरी में मिलेगा 15 प्रतिशत आरक्षण : अमित शाह

बस्तर, 18 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'शहीद वीर गुण्डाधर सेवा डेरा' जन सुविधा केंद्र के शुभारंभ के मौके पर कहा कि हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सलमुक्त भारत बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में जहां-जहां सुरक्षा कैप बनाकर सिक्वोरिटी वैक्यूम समाप्त किए थे, अब वहां कामन सर्विस सेंटर बनाए जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि आज का दिन सचमुच एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि महज छह महीनों के भीतर, यह केंद्र जो अभी केवल



एक सरकारी पहल जैसा दिखता है, स्थानीय आदिवासियों की मौजूदगी और उनकी हसी-खुशी से गुलजार, जीवन से भरपूर नजर आएगा। जिस जमीन पर मैं आज खड़ा हूं, वह अपने आप में भारत के हर नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल है। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कर्मभूमि है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए नेतानार कैप (जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में काम कर रहा था) मैं अब आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में बदला जा रहा है।

जयराम रमेश का धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राज्यसभा मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। रमेश ने प्रधान पर संसद की गरिमा कम करने का आरोप लगाया है। यह नोटिस 15 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयानों के संबंध में राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन को सौंपा गया है। रमेश ने कहा कि नीट-यूजी परीक्षा रह होने के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधान ने एक संसदीय समिति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं, जो संसद के प्रति उनकी अवमानना को दर्शाती हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने राज्यसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 187 के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है, क्योंकि उन्होंने संसद और संसदीय समितियों की गरिमा को कम किया है। रमेश ने यह भी कहा कि प्रधान ने ये "आपत्तिजनक टिप्पणियां" शिक्षा मंत्रालय में व्याप्त अव्यवस्था की अध्यक्षता करते हुए कीं, जो देश भर के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। जयराम रमेश ने अपने नोटिस में बताया कि 15 मई को नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के मुद्दे पर प्रधान ने एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया था। इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने उनसे पूछा कि उनके मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीई) पर संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों को क्यों लागू नहीं किया।

स्काइन लीडर सान्या बर्नी पहली महिला क्रालिफाइड फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर



नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। स्काइन लीडर सान्या भारतीय वायु सेना में पहली ऐसी महिला अधिकारी बन गई हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित कैट-ए क्रालिफाइड फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर (क्यूएफआई) की योग्यता हासिल की है। भारतीय वायु सेना ने क्या कहा : भारतीय वायु सेना ने कहा कि यह उपलब्धि एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाती है। यह सफलता बल के लिए गर्व का क्षण है और देशभर के बनने वाले पायलटों के लिए प्रेरणा है।

गंगा में नॉन वेज फैकने से हिंदुओं की धार्मिक भावना आहत : इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी

वाराणसी, 18 मई (एजेंसियां)। इफ्तार पार्टी के बाद बचा हुआ जस्टिस राजीव लोचन शुक्ला ने आरोपियों की बेल मंजूर करते हुए कहा कि केस में 'रोजा इफ्तार पार्टी' करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हैं और उस इफ्तार पार्टी के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों पर आरोप है कि उन्होंने गंगा नदी में नॉन-वेज खाने का कचरा फेंका। अदालत की निष्पक्ष राय में इस तथ्य को सही मायने में हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाला कहा जा सकता है। फिर भी, इस समय अदालत के

हिंदुओं की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने वाला : जस्टिस राजीव लोचन शुक्ला ने आरोपियों की बेल मंजूर करते हुए कहा कि केस में 'रोजा इफ्तार पार्टी' करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हैं और उस इफ्तार पार्टी के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों पर आरोप है कि उन्होंने गंगा नदी में नॉन-वेज खाने का कचरा फेंका। अदालत की निष्पक्ष राय में इस तथ्य को सही मायने में हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाला कहा जा सकता है। फिर भी, इस समय अदालत के

सामने विचार का मुख्य विषय यह है कि क्या याचिकाकर्ताओं को जांच और ट्रायल के दौरान बेल पर रीढ़ा किए जाने पर विचार किया जा सकता है। अदालत ने इस बात का जिक्र किया कि याचिकाकर्ता अपने कृत्य के लिए क्षमाप्रार्थी हैं। उनके परिवार वालों को भी उनकी कृत्य से व्यापक तौर पर समाज को हड़ पीड़ा को लेकर खेद है। अदालत ने यह भी कहा कि बेल याचिका के लिए दायर हलफनामे से पता चलता है कि याचिकाकर्ताओं को अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को लेकर सही मायने में पश्चाचाप हो रहा है।

॥ 74वीं जन्म जयन्ती ॥

॥ श्री हरिः ॥

॥ श्री हरिः ॥

* जन्म *
19 मई 1952

* निर्वान *
19 फरवरी 2021

हमारे संस्थापक चेयरमैन

श्री अशोक कुमार टीबडेवाला

(सुपुत्र : स्व. श्री गणपतरायजी टीबडेवाला)

प्रेम आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको..

श्रद्धा के सख सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको..

* श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता *

STAFF & MANAGEMENT

AMCAP
CAPACITORS
THE TRUSTED BRAND SINCE 1984

AMIT CAPACITORS LIMITED
A-8, Co-operative Industrial Estate, Balanagar,
Hyderabad-500 037 (Telangana) India
E-mail : info@amcapindia.com

बंगाल में केंद्रीय बलों की संख्या में कटौती

> 500 कंपनियों से 10000 जवान हटाए गए > समीक्षा के बाद हुआ निर्णय



कोलकाता, 18 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की पांच सौ कंपनियों को तैनात किया गया था। गत सप्ताह राज्य के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की गहन समीक्षा की गई है। इसके बाद निर्णय लिया गया कि राज्य से अब केंद्रीय बलों की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाए। पहले चरण में सौ कंपनियों यानी 10 हजार जवानों की पश्चिम बंगाल से वापसी हो गई है। आगामी दिनों में राज्य में बाकी बची केंद्रीय बलों की 400 कंपनियों को विभिन्न चरणों में हटा लिया जाएगा।

> गुह मंत्रालय की तरफ से बंगाल सरकार को संदेश

केंद्रीय गुह मंत्रालय की तरफ से पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, गुह सचिव और डीजीपी को संदेश भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों 'सीएपीएफ' की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाए। राज्य में चुनाव संपन्न होने के बाद केंद्रीय बलों के सभी जवानों को वहां से नहीं हटایा गया था। पिछली बार चुनाव होने के बाद राज्य के कई भागों में हिंसा की घटनाएं देखने को मिली थी। इस बार वैसी घटनाएं न हों, इसके लिए चुनाव संपन्न होने के

बाद भी बंगाल में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 500 कंपनियां तैनात की गई थीं।

> सीआरपीएफ व बीएएसएफ सहित इन बलों की तैनाती

बंगाल में दोनों चरणों के विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद सीआरपीएफ की 200, बीएसएफ की 150, सीआईएसएफ की 50, आईटीबीपी की 50 और एसएसबी की 50 कंपनियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की ड्यूटी में लगाया गया था। अब राज्य के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की गई है। इसमें पश्चिम बंगाल के गुह विभाग के अलावा केंद्रीय एजेंसियां भी शामिल रही हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर खुफिया एजेंसी से भी विशेष रिपोर्ट मांगी गई थी। समीक्षा बैठक में सामने आया कि चुनाव के बाद अब राज्य में शांति है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं का उग्र प्रदर्शन, ये सब फिलहाल बंद है। पश्चिम बंगाल से लगती बांग्लादेश की सीमा पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। घुसपैठियों पर सीमा सुरक्षा बल की पैनी नजर है।

> पहले चरण में सौ कंपनियों की वापसी केंद्रीय बलों की पांच सौ कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से कम करने का निर्णय लिया गया है। पहले चरण के तहत सौ न हों, इसके लिए चुनाव संपन्न होने के

इनमें सीआरपीएफ की 40, बीएसएफ की 30, सीआईएसएफ की 10, आईटीबीपी की 10 और एसएसबी की 10 कंपनियों को बंगाल से वापस बुलाया गया है। 15 मई से ये कंपनियां, कानून व्यवस्था की ड्यूटी पर नहीं रहेंगी। फिलहाल बंगाल में केंद्रीय बलों की चार सौ कंपनियां तैनात रहेंगी।

> गुंडागर्दी और धार्मिक नारेबाजी केंद्रीय गुह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि पश्चिम बंगाल सरकार, खुले बॉर्डर पर फैसिंग के लिए जमीन नहीं दे रही।

जब कभी फैसिंग लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो टीएमसी के कार्यकर्ता

> तेज होगा फैसिंग लगाने का काम

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के गठन के बाद बीएसएफ को 450 किलोमीटर खुले बॉर्डर पर फैसिंग लगाने के लिए जमीन अलॉट करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कैबिनेट की पहली बैठक में बीएसएफ को फैसिंग के लिए जमीन अलॉट करने की घोषणा की है। जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी होगी। राज्य के मुख्य सचिव और भूमि एवं राजस्व सचिव की देखरेख में यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसके तहत पश्चिम बंगाल से लगती बांग्लादेश की सीमा पर 450 किलोमीटर लंबे क्षेत्र को फैसिंग के जरिए कवर किया जाएगा, जो अभी तक खुला पड़ा है। लगभग 30 किमी पर एक बटालियन हेडक्वार्टर बनेगा। यानी 1000 जवान तैनात होंगे।

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार तीन महिलाओं समेत पांच की मौत

चेन्नई, 18 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै के पास एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई। मरने वालों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। यह हादसा रविवार देर शाम मेलूर के पास अय्यापत्ती में हुआ। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दुखद घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोग और रिश्तेदार पूरे परिवार के अचानक चले जाने से दुख में हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पीड़ित तिरुचिरापल्ली में स्थित प्रसिद्ध समयापुरम मरिअम्मन मंदिर में दर्शन के लिए गए थे और वहां से पूजा-अर्चना करके अपने घर मदुरै लौट रहे थे। तभी कार डिवाइडर से टकरा गई। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हाईवे पर चलते समय वाहन से ड्राइवर का नियंत्रण हट गया था। जिसके बाद कार डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान मदुरै के अन्ना नगर निवासी प्रकाश और उनके चार रिश्तेदारों के रूप में की है। इन रिश्तेदारों में रमेश नाम का एक अन्य पुरुष सदस्य भी शामिल है। बाकी तीन मृतक उसी परिवार की महिलाएं थीं। औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी न होने की वजह से अधिकारी अभी तक सभी पीड़ितों की पहचान सार्वजनिक नहीं कर पाए हैं। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को हादसे की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही आपातकालीन टीमें और पुलिसकर्मी तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव तथा राहत कार्य शुरू किया।

'बीजेपी सरकार और मोदी जी में दूरदर्शिता की कमी'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने क्यों साधा पीएम पर निशाना, सुनाई खरी-खरी



नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पेट्रोल-डीजल और दूसरी जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अगर चुनाव से पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाई जातीं तो भाजपा की राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ता, इसलिए सरकार ने चुनाव खत्म होने तक असली स्थिति देश से छिपाकर रखी। खड़गे ने अपने बयान में आरोप लगाया कि चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल, डीजल और दूसरी जरूरी चीजों

की कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि यह सरकार की दूरदर्शिता की कमी और आर्थिक नीतियों की विफलता को दिखाता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है और आम लोगों के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

विपक्ष ने केंद्र को घेरा

हाल ही में, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। रिपोटर्स के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और इंटरनेशनल बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। हालांकि विपक्ष का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद केंद्र सरकार पहले भी टैक्स के जरिए भारी कमाई करती रही है और आम जनता को राहत नहीं दी गई।

महंगाई के असर पर कांग्रेस ने साधा निशाना
कांग्रेस का दावा है कि डीजल की कीमत बढ़ने से ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ती है, जिसका असर खाद्य पदार्थों, सब्जियों, दूध और अन्य जरूरी सामानों की कीमतों पर पड़ता है।

वडोदरा से दिल्ली जा रही

इंडिगो फ्लाइट में लाइट गुल

अंधेरे और गर्मी में बेहाल हुए पैसेंजर्स, 25 मिनट बाद हुई बिजली सप्लाई शुरू

वडोदरा, 18 मई (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में रविवार रात इंडिगो फ्लाइट (6E 657) में बिजली गुल हो गई। विमान का ग्राउंड पावर यूनिट (जीपीयू) अचानक बंद हो जाने से ये हालात बने। इसके चलते पैसेंजर्स को अंधेरे और भारी उमस में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ यात्रियों की तबीयत बिगड़ने लगी थी। एक पैसेंजर ने अपने मोबाइल में ये वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था, जो अब वायरल हो रहा है। रविवार रात को इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6E657 वडोदरा से दिल्ली रवाना होने की तैयारी में थी। इसी बीच 8:50 बचे अचानक फ्लाइट की बिजली गुल हो गई। करीब 25 मिनट बाद बिजली की सप्लाई दोबारा शुरू हो सकी।

आबकारी घोटाला मामला : अब

न्यायमूर्ति मनोज जैन करेंगे सुनवाई

जज स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को

किया था अलग

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। कथित आबकारी घोटाला मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनोज जैन करेंगे। पिछले सप्ताह हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने तकनीकी आधार पर मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया था। न्यायमूर्ति शर्मा के हटाने के बाद मामले को दोबारा मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा गया था, जहां से यह मामला न्यायमूर्ति मनोज जैन को सौंपा गया है।

कंटेन्ट केस की सुनवाई मंगलवार को

उधर, आबकारी मामले से जुड़े कंटेन्ट केस की सुनवाई मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट की डबल बेंच करेगी। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की खंडपीठ कंटेन्ट पिटिशन की सुनवाई करेगी। अरविंद केजरीवाल सिसोदिया संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज समेत कई लोगों के खिलाफ न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने कंटेन्ट नोट लिया था। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे आबकारी नीति मामले के कुछ बरि किए गए आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया पर उनके और अदालत के खिलाफ की गई अत्यंत अपमानजनक, मानहानिकारक और घृणित टिप्पणियों पर चुप नहीं रह सकती हैं। न्यायमूर्ति ने स्पष्ट कहा कि मेरे संज्ञान में आया है कि कुछ प्रत्यक्षी मेरे खिलाफ और इस उग्रवादियों के कब्जे में होने का शक है। दूसरी तरफ, कुकी जनजातियों की संस्था कुकी इन्पी मणिपुर ने भी दावा किया है कि उनके समुदाय के 14 सदस्य अब भी लापता हैं। उन्हें सेनापति मिलने में अलग-अलग समूहों ने बंधक बना रखा है। सुरक्षा बल इन सभी की तलाश में जुटे हैं।

खबरें जरा हटके

ये है दुनिया का सबसे महंगा पेन, स्पेस के अंदर भी कर सकते हैं इस्तेमाल कीमत जान रह जाएं हैरान!



पेन जैसी छोटी सी चीज भी अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से लैस हो तो उसकी कीमत आसमान छू सकती है. दुनिया का सबसे चर्चित और महंगा पेन फिशर स्पेस पेन है, जिसे खास तौर पर अंतरिक्ष में इस्तेमाल के लिए बनाया गया था. यह पेन जीरो ग्रेविटी में भी बिना किसी समस्या के लिख सकता है. नासा के अंतरिक्ष यात्री आज भी मिशनों के दौरान इसका इस्तेमाल करते हैं. सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है और लोग इसकी कीमत और टेक्नोलॉजी जानकर दंग रह जा रहे हैं. आइये आपको बताते हैं इस पेन की खासियत. साल 1960 के दशक में अमेरिकी इन्वेंटर पॉल फिशर ने इस पेन को तैयार किया था. उस समय नासा को एक ऐसे पेन की जरूरत थी जो स्पेस में काम कर सके. आम पेन स्पेस में नहीं लिख पाते क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होता और स्याही नीचे नहीं गिरती. फिशर ने सालों की रिसर्च के बाद प्रेशराइज्ड इंक कार्ट्रिज टेक्नोलॉजी विकसित की. इसमें नाइट्रोजन गैस का दबाव इस्तेमाल होता है जो किसी भी स्थिति में स्याही को बाहर निकालता है. यह पेन -34 डिग्री सेल्सियस से लेकर +121 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में काम करता है. पानी के नीचे, उल्टा लिखते हुए, तेल में या बर्फ पर भी यह आसानी से लिख सकता है. एक कार्ट्रिज से यह पेन लगभग 50 किलोमीटर तक लिख सकता है. यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे यूनिक और भरोसेमंद पेन माना जाता है. नासा ने इसे अपोलो मिशन से लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक इस्तेमाल किया था. दिलचस्प बात यह है कि रूस के सोवियत स्पेस प्रोग्राम ने भी बाद में इसी पेन को अपनाया। पहले की अफवाह थी कि नासा ने इस पेन पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन असल में फिशर ने खुद अपना पैसा लगाकर इसे बनाया और नासा को बहुत कम कीमत पर बेचा था. आज मार्केट में फिशर स्पेस पेन के नॉर्मल वर्जन कुछ हजार रुपये में मिल जाते हैं, लेकिन इसके स्पेशल, लिमिटेड एडिशन और ऑर्थेंटिक स्पेस-यूज्ड वर्जन लाखों रुपये में बिकते हैं. कुछ दुर्लभ पेन नीलामी में करोड़ों तक पहुंच जाते हैं. यूजर्स मजाक में कह रहे हैं कि "इस पेन की कीमत सुनकर लगता है छोटा देश खरीदा जा सकता है."

यहां गाडियों को नहीं मिल रहा पेट्रोल गैलन के गैलन गटक जाती है ये लड़की सुबह से रात तक पीती है तेल!



दुनिया में अजीबोगरीब आदतों की कमी नहीं है, लेकिन टीएलसी चैनल के पॉपुलर शो 'माई स्ट्रेंज एडिक्शन' ने एक बार फिर दर्शकों को हैरान कर दिया है. इस शो में दिखाई गई 20 वर्षीय शैनन की कहानी सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे. अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण दुनिया में तेल की किल्लत होती जा रही है. ऐसे में आम लोग पेट्रोल पंप पर घंटों लाइन लगाकर गाड़ी में तेल डलवा रहे हैं, वहीं शैनन गैलन-गैलन पेट्रोल पी जाती है. उसकी यह घातक लत ना सिर्फ उसके परिवार को चिंतित कर रही है बल्कि डॉक्टरों को भी हैरान कर रही है. शैनन कनाडा की रहने वाली है. शो के अनुसार उसने करीब एक साल पहले यह आदत शुरू की थी. शुरू में वह पेट्रोल की बोतल या जेरीकैन खोलकर सिर्फ सूंघा करती थी, फिर उसकी उंगलियों पर लगे पेट्रोल को चाटने लगी. धीरे-धीरे यह लत बढ़ती गई और अब वह रोजाना 12 से 15 चम्मच पेट्रोल पी जाती है.

बताया कैसा है टेस्ट ?

महिला पूरे साल में 19 लीटर से ज्यादा पेट्रोल पी जाती है. शैनन बताती है कि पेट्रोल का स्वाद मीठा-खट्टा और जलन वाला होता है. जब वह इसे पीती है तो पहले झुनझुनी सी महसूस होती है, फिर जलन शुरू हो जाती है. फिर भी वह इसे पीने से खुद को रोक नहीं पाती. वह कहती है कि जब वह उदास या अकेला महसूस करती है तो पेट्रोल पीकर राहत पाती है. यह उसकी डिप्रेशन की दवा बन गई है. शो में परिवार वालों ने इंटरवेंशन किया और उसे मेडिकल मदद लेने के लिए मनाने की कोशिश की. डॉक्टरों ने चेतावरी दी कि पेट्रोल पीने से उसके फेफड़े, किडनी, लीवर और ब्रेन को स्थायी नुकसान हो सकता है. इससे कैसर, नर्व डेमेज, दौरे पड़ना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है. पेट्रोल में बेंजीन, टोल्यूइन और अन्य केमिकल होते हैं जो शरीर के लिए बेहद जहरीले हैं. नियमित रूप से इसे पीने से मुंह में अल्सर, दांत खराब होना, सांस की बीमारी और आंतरिक अंगों का फेल होना आम है. फिर भी शैनन कहती है कि वह एक दिन भी इसके बिना नहीं रह सकती.

कोलड्रिंक की तरह खून पीती है ये महिला! हर दिन गटकती है 1 लीटर, गाय-सूअर का ब्लड है फेवरिट



कोल्ड ड्रिंक या जूस की तरह खून पीना कल्पना में भी मुश्किल लगता है, लेकिन असल जिंदगी में एक महिला इसे आदत बना चुकी है. टीएलसी चैनल के मशहूर रियलिटी शो 'माई स्ट्रेंज एडिक्शन' में मिशेल नाम की 29 वर्षीय महिला ने अपनी अनोखी लत का खुलासा किया, जिसने पूरे दुनिया को हैरान कर दिया. मिशेल एक टैटू आर्टिस्ट हैं और पिछले 15 साल से खून पीने की लत में फंसी हुई हैं. वह रोजाना लगभग 1 लीटर खून पीती हैं. उनका कहना है कि खून उनके लिए पानी जितना जरूरी है. इस लत ने उन्हें डिप्रेशन से निकाला और अब उनकी डेली रूटीन में शामिल है. मिशेल खून को अपने फ्रिज में स्टॉक करके रखती हैं. सुबह उठते ही वे खून का एक ग्लास लेकर दिन की शुरुआत करती हैं. अगर खून ना मिले तो वे चिड़चिड़ी और बेचैन हो जाती हैं. मिशेल को अपनी इस लत का पता अपने खून के स्वाद से लगा. अपने खून को टेस्ट करने के बाद शुरू में उन्होंने जानवरों का खून पीना शुरू किया. गाय और सूअर का ब्लड उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है. सूअर का खून स्वाद में बेहतर लगता है. मिशेल खून को फ्रिज में बोतलों में भरकर स्टॉक करके रखती हैं. वे इसे कॉफी के साथ मिलाकर भी पीती हैं. शो में उन्होंने बताया कि महीने में वे करीब एक गैलन (लगभग 3.78 लीटर) सूअर का खून इस्तेमाल करती हैं. लेकिन बात यही खत्म नहीं होती. बाद में उन्होंने इंसानी खून भी पीना शुरू कर दिया. उनके कुछ दोस्त उन्हें अपना खून देते हैं, जिसे वे चूसकर अपनी लत पूरी करती हैं।

मंगलवार, 19 मई - 2026

दक्षिण भारत की चिंता

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा तीसरे और चौथे बच्चे के जन्म पर आर्थिक प्रोत्साहन देने की घोषणा ने देश में जनसंख्या नीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। लंबे समय तक भारत में जनसंख्या वृद्धि को एक गंभीर चुनौती माना गया और हम दो, हमारे दो जैसे अभियान चलाकर परिवार नियोजन को बढ़ावा दिया गया। लेकिन अब कुछ राज्यों में घटती जन्मदर और बदलते जनसांख्यिकीय संतुलन ने सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। यह स्थिति केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और भविष्य की विकास नीति से भी जुड़ी हुई है। दुनिया के कई देशों में आज जनसंख्या घटने और वृद्ध आबादी बढ़ने की समस्या सामने है। भारत में कुल प्रजनन दर लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए यह दर लगभग 2.1 होनी चाहिए। इससे संकेत मिलता है कि भविष्य में यदि जनमर लागूना घटती रही, तो युवा आबादी कम हो सकती है और बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। यह स्थिति आर्थिक और सामाजिक ढांचे के लिए गंभीर चुनौती है। भारत में उत्तर और दक्षिण के बीच इस मामले में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। दक्षिण भारत के राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे है, लगभग 1.5 से 1.6 के बीच, जबकि उत्तर भारत के कई राज्यों में यह 2.5 से 3 तक बनी हुई है। इसका असर केवल जनसंख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की राजनीतिक संरचना पर भी पड़ सकता है। पेरिसीमन के बाद लोकसभा सीटों का पुनर्वितरण जनसंख्या के आधार पर होता है। ऐसे में दक्षिण भारत के राज्यों में यह आशंका स्वाभाविक है कि जनसंख्या वृद्धि कम रहने के कारण उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी घट सकती है। हालांकि, केवल आर्थिक प्रोत्साहन देकर अधिक बच्चे पैदा करने की नीति कितनी सफल होगी, इस पर गंभीर सवाल हैं। दुनिया के अनेक देशों ने इस दिशा में प्रयास किए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देशों ने जन्मदर बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता, सुविधाएं और अनेक योजनाएं चलाईं, लेकिन सफलता सीमित रही। चीन ने दशकों तक एक-बच्चा नीति अपनाई और बाद में उसे हटाना पड़ा। लेकिन वहां भी लोग अधिक बच्चे पैदा करने के इच्छुक नहीं दिखे, क्योंकि बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा अत्यधिक महंगी हो चुकी है। भारत में भी सिक्किम जैसे राज्यों में कम जन्मदर को लेकर कई योजनाएं लागू की गईं। महिलाओं के लिए विशेष सहायता और आर्थिक प्रोत्साहन दिए गए, लेकिन परिणाम बहुत प्रभावी नहीं रहे। इसका स्पष्ट अर्थ है कि आधुनिक समाज में केवल आर्थिक लाभ लोगों के पारिवारिक निर्णयों को प्रभावित नहीं करते। शिक्षा, रोजगार, जीवनशैली, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और बढ़ती जीवन लागत भी बड़े कारक बन चुके हैं। दक्षिण भारत के राज्यों ने शिक्षा और जागरूकता पर लंबे समय तक निवेश किया। जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों को सफलतापूर्वक लागू किया और सामाजिक विकास पर ध्यान दिया। आज वही सफलता एक नई चुनौती बनती दिखाई दे रही है। लेकिन इसका समाधान केवल आबादी बढ़ाने में नहीं, बल्कि उपलब्ध कार्यबल का बेहतर उपयोग करने में छिपा है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनसंख्या को केवल संख्या के रूप में न देखा जाए। बड़ी आबादी तभी लाभकारी होती है जब वह शिक्षित, कुशल और उत्पादक हो। अन्यथा वही जनसंख्या बोझ भी बन सकती है। इसलिए सरकारों को जल्दबाजी में ऐसे प्रयोग करने के बजाय दीर्घकालिक नीति बनानी होगी, जो जनसंख्या संतुलन, आर्थिक विकास और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच सामंजस्य स्थापित कर सके। जनसंख्या का प्रश्न केवल बच्चों की संख्या का नहीं, बल्कि देश के भविष्य की गुणवत्ता का प्रश्न है।

देर से जागने की कीमत देश ही चुकायेगा

भारत की राजनीति हर चीज को राजनीतिक नज़रिये से देखने-दिखाने को अभिशप्त है। ताजा उदाहरण ग़रहते ऊर्जा संकट और बढ़ते विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए



राज कुमार सिंह

जिनेवा में कुछ मुद्दों पर सहमति भी बनी, लेकिन समझौता वार्ता के अगले चरण से पहले ही अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू कर दिये, जिनकी परिणति पूरा विश्व देख रहा है-- और झेल भी रहा है। युद्धोन्मादियों के निहित स्वार्थों के चलते ही इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल हो गयी और संघर्ष विराम दोनों ओर से धमकियों के बीच अंतिम पास सौं लेता दिख रहा है। समझ प्राप्त मुश्किल नहीं कि ऊर्जा संकट अनिश्चितकालीन हो सकता है। यह भी कि संघर्ष विराम से अंततः शांति की राह निकल भी आती है तो ऊर्जा उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान के पूर्ण समाधान में लंबा समय लगेगा। इसलिए ऊर्जा संकट और उसके चलते विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए तात्कालिक और दीर्घकालीन उपाय के अलावा कोई विकल्प किसी भी देश के पास नहीं है। हां, यह प्रश्न अनुत्तरित है कि जब दुनिया भर में ऊर्जा संकट से निपटने के उपाय 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के सप्ताह भर बाद ही शुरू हो गये थे, भारत में इतनी देर क्यों हुई? चुनाव लोकतंत्र की प्राण वायु हैं, पर चुनाव जीत कर सत्ता में आने और उसे बनाये रखने की सोच कई बार राजनीतिक नेतृत्व को देश हित में सही समय पर सही फैसले लेने से रोकती भी है। पड़ोसी देशों से ले कर दूरराज तक के देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम मार्च में ही बेतहाशा बढ़ गये। विकसित देश भी महंगाई की मार से अछूते नहीं, लेकिन सत्ता मार्च को कमरशियल और घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कुछ वृद्धि के अलावा इस मोर्चे पर हमारी सरकार मौन ही रही। विपक्ष द्वारा व्यक्त आशंकाओं को दरकिनार करते हुए देश में पर्याप्त भंडार का दावा कर सरकार देशवासियों को महंगाई से बचाये रखने का भरोसा भी देती रही।

महंगाई : जेब की जंग और रसोई की आग



सुरेश गार्गी

दुनिया में युद्ध, बाजार में उथल-पुथल और आम आदमी पर बढ़ता दबाव, क्या विकास की रफ्तार पर भारी पड़ रही है

महंगाई की तपिश? क्या महंगाई अब केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक और राजनीतिक संकट भी बन रही है? ये ऐसे सवाल हैं, जिसका जवाब अब हर आदमी जानना चाहता है, खासकर तब जब भारत आज दुनिया की तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। विकास दर के आंकड़े उम्मीद जगाते हैं, विदेशी निवेश का प्रवाह चर्चा में रहता है और वैश्विक मंचों पर भारत की आर्थिक ताकत की बातें होती हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा सच भी है जो हर घर, हर रसोई और हर जेब में महसूस किया जा रहा है, महंगाई। यह महज आर्थिक शब्द नहीं रह गया है, बल्कि अब यह आम आदमी के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है। सुबह घर की रसोई में चाय बनाते समय दूध के बड़े दाम महसूस होते हैं। बाजार में सब्जी खरीदते वक्त जेब का हिसाब बदलता है। वाहन में पेट्रोल भरते समय खर्च बढ़ा हुआ नजर आता है और महीने के अंत में परिवार के बजट का संतुलन बिगड़ना दिखाई देता है। यही महंगाई का असली चेहरा है, जो सरकारी आंकड़ों से अलग लोगों की ज़िंदगी में दर्ज होता है। यहां

जिन्न करना ज़रूरी है, महंगाई का असर हमेशा बाजार के आंकड़ों से नहीं, बल्कि घर की छोटी-छोटी ज़रूरतों से समझ में आता है। जब महीने की शुरुआत में बना बजट आखिरी सप्ताह तक पहुंचते-पहुंचते डगमगाने लगे, जब रसोई में गैस सिलेंडर भरवाने से पहले हिसाब-किताब बैठाना पड़े, जब सब्जी मंडी में कीमत पूछने के बाद खरीदारी की सूची बदलनी पड़े, तब समझ आता है कि अर्थव्यवस्था



के बड़े फैसले आम आदमी की ज़िंदगी तक पहुंच चुके हैं। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युद्ध, ऊर्जा संकट, वैश्विक तनाव और बाजार की अस्थिरता ने केवल सरकारी और उद्योगों को ही नहीं, बल्कि हर परिवार की जेब को प्रभावित किया है। सवाल अब यह नहीं रह गया कि महंगाई कितने प्रतिशत बढ़ी है, बल्कि यह है कि बढ़ती कीमतों और सीमित आय के बीच आम नागरिक

अपनी ज़िंदगी का संतुलन आखिर कितने समय तक बनाए रख पाएगा, आज आम आदमी यह महसूस कर रहा है कि बाजार में उसकी क्रय क्षमता धीरे-धीरे बदल रही है। पहले जो वस्तुएं बिना सोचे-समझे खरीदी जाती थीं, अब उनके लिए लोग कीमतें देखने लगे हैं। महंगाई को समझने के लिए अर्थशास्त्र की जटिल भाषा की आवश्यकता नहीं है। जब आमदनी की रफ्तार खर्चों की गति

से पीछे छूटने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि महंगाई ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक परिस्थितियों ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर किया है। पश्चिम एशिया में तनाव, रूस-यूक्रेन संघर्ष और ऊर्जा बाजार की अनिश्चितता ने कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ाया

दहेज के लिए कब तक जान गंवाती रहेंगी बहुएं?



अशोक माटिया

नोएडा की 33 वर्षीय दिवशा शर्मा, जो पूर्व मिस पुणे भी रह चुकी थीं, मात्र पांच महीने की शादी के बाद भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में 12 मई 2026 की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटक मीलीं। शादी दिसंबर 2025 में डेटींग ऐप पर मिले वकील समर्थ सिंह के साथ हुई थी। दिवशा हाल ही में दो महीने की प्रेनेट थीं, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक हफ्ते पहले मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी का खुलासा हुआ। मायके पक्ष का दावा है कि यह जबरन अबॉर्शन था, जिसमें सास रिटायर्ड जेप गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह ने मानसिक यातना देकर दिवशा को मजबूर किया। परिवार ने आरोप लगाया कि दिवशा को पितृत्व पर संदेह कर उसके चरित्र पर सवाल उठाए गए, जिससे उस पर जबरदस्त मेंटल टॉर्चर हुआ। इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मल्टीपल एंटीमार्टल इंजरी (मौत से पहले की कई चोटें) मिलने से हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। मामला इसीलिए भी गंभीर हो गया है क्योंकि पति समर्थ सिंह पेशे से वकील हैं और उनके माता-पिता रिटायर्ड जज रह चुके हैं। दिवशा के परिवार ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जबरन गर्भपात, शरीर पर चोटों के निशान और मौत से पहले की आखिरी कॉल जैसे कई तथ्य अब इस मामले को और रहस्यमयी बना रहे हैं। चूंकि आरोपी परिवार न्यायिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है, इसलिए टिप्पण के परिजनों ने

उसके माता-पिता नहीं दे पाए। दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसका पति और सास उसका शोषण करते थे।

उन्होंने स्वीकार भी किया कि थूरा को खाने के लिए रोज़ पानी मिलाकर चावल और चीनी के अलावा कुछ और नहीं दिया जाता था। वहां के पोस्टमैन ने पुलिस को बताया कि इस घटना की जानकारी पड़ोसियों को न हो, इसके लिए थूरा को टिन की घेराबंदी वाले घर के भीतर कैद कर के रखा गया था। यह घटना भारत के सर्वाधिक शिक्षित राज्य की है। यह घटना आज की है। यह घटना दहेज हत्या की श्रेणी में ही आएगी। वह दहेज हत्या को उत्तर-आधुनिक समय में भी न जाने कितनी महिलाओं की मौत का कारण बनती है। गौरतलब है कि शादी-शुदा महिलाओं की हत्याएं, जिन्हें ससुराल में पति और अन्य सदस्यों ने दहेज के लिए या तो क्रल्ल कर दिया गया हो अथवा लगातार उत्पीड़न और यातना देकर आत्महत्या के लिए बाध्य किया जाए, दहेज हत्या कहलाती है। दहेज हत्या एक ऐसा अपराध है जहां महिलाओं के लिए उनके अपने घर ही सबसे असुरक्षित स्थान बन जाते हैं।

दहेज और उससे जुड़े अपराधों के मामले में भारत दुनियाभर में पहले स्थान पर आता है। इसके बाद पाकिस्तान, बांग्लादेश और ईरान आते हैं, जहां दहेज हत्या एक बड़ी समस्या बन चुकी है। दहेज हत्या मूल रूप से पितृसत्ता का ही एक रूप है जिसकी जड़ें प्राचीन इतिहास के कबीलाई परंपराओं में छिपी हैं। लिंग आधारित श्रम विभाजन के बाद कबीलों में एक संस्कृति विकसित हुई जिसके तहत महिलाओं का आदान-प्रदान होता था। कबीले के अस्तित्व के लिए महिलाएं चुप रहती थीं जो बाद में

है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाला बदलाव सीधे देश की अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। कई लोगों के मन में सवाल उठ सकता है कि हजारों किमी दूर किसी देश में चल रहा संघर्ष उनके घर की रसोई को कैसे प्रभावित कर सकता है। इसका उत्तर आधुनिक अर्थव्यवस्था की उस व्यवस्था में छिपा है जहां हर क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। कच्चा तेल महंगा होगा तो परिवहन लागत बढ़ेगी। परिवहन महंगा होगा तो वस्तुओं की कीमत बढ़ेगी। उत्पादन महंगा होगा तो उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा और अंततः इसका असर उपभोक्ता तक पहुंचेगा।

यही कारण है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों को केवल ईंधन का मामला नहीं माना जा सकता। यह पूरी अर्थव्यवस्था की धुरी हैं। ट्रक, बसें, कृषि उपकरण, उद्योगों की मशीनें और माल ढुलाई की पूरी व्यवस्था इन पर निर्भर करती है। एक ट्रक का खर्च बढ़ने का असर अंततः किसी परिवार की रसोई तक पहुंचता है। आज पूर्वांचल से लेकर महानगरों तक यह स्थिति अलग-अलग रूपों में दिखाई दे रही है। गांवों में डीजल महंगा होने का अर्थ सिंचाई महंगी होना है। किसानों के लिए ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने का खर्च बढ़ जाता है। शहरों में इसका अर्थ माल ढुलाई और परिवहन लागत में बढ़ोतरी है। छोटे व्यापारियों के लिए यह अतिरिक्त दबाव बनता है। महंगाई का

सैफर्ड का महाभारत: कर्ण, सत्ता और स्वीकार्यता

धीरेंद्र प्रताप सिंह

परिवार जब राजनीति में बदल जाता है, तब रिश्तों का अर्थ भी बदल जाता है। वहां खून के रिश्ते की राजनीतिक समीकरणों से गुजरते हैं। सैफर्ड की राजनीति वर्षों से परिवार और उत्तराधिकार की जटिल कहानी रही है। प्रतीक की मां साधना गुप्ता मुलायम यादव की दूसरी पत्नी थीं जिनको स्वीकारने में जिस परिवार को कठिनाई रही, वहां प्रतीक के लिए सहज जगह बनाना आसान नहीं था। प्रतीक यादव और अपूर्णा विपट की शादी भले ही सैफर्ड के यादव परिवार में हुई, लेकिन स्वीकार्यता का प्रश्न हमेशा बना रहा। अपूर्णा की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं, हिलेरों मार रही थीं, जबकि प्रतीक राजनीति की चमक से दूरी बनाए रखना चाहते थे। शायद वे जानते थे कि राजनीति की दुनिया में व्यक्ति की निजी जिंदगी भी सार्वजनिक बहस का हिस्सा बन जाती है। देखा जाए तो जिस शातिरपन से प्रतीक के बाबत प्रेस से बात की वह चौकाने वाला नहीं था। अखिलेश ने कहा कि क़ानून और परिवार को कहेगा वह करेगा। यह कह कर अखिलेश कहना क्या चाहते थे ? सब को उसका अफ़स़ा गया। बाकी रहा सहा सपा विधायक रविदास मेहरोज़ ने प्रतीक की मृत्यु को संकेतों में हत्या और जांच करवाने की मांग कर सब कुछ कह दिया। ग़नीमत बस यही थी कि अपूर्णा आसाम में थीं। लखनऊ में नहीं। अपूर्णा अगर लखनऊ में होतीं तो सपा के लोग उन को फंसाने के लिए , लांछन लगाने के लिए कुछ भी कर गुजर गए होते।

आखिर क्यों नहीं जानता कि महाभारत का कर्ण युद्ध हारने से पहले ही जीवन से हार चुका था। वह महान योद्धा था, पर उसकी सबसे बड़ी पीड़ा उसकी अस्वीकार्यता थी। वह सूर्यपुत्र था, लेकिन समाज उसे सूतपुत्र कह कर चिढ़ाता रहा। आधुनिक राजनीति में भी कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके पास अकूत धन-दौलत, पहचान और आधुनिक संसाधन होते हैं, लेकिन समाज में उन्हें वह स्वीकार्यता नहीं मिली। यही ऐसे कर्ण के लिएसबसे बड़ा अभिशाप बन जाता है। सैफर्ड में अखिलेश यादव की माँ मालती यादव का निधन हो गया तो अमर सिंह ने साधना गुप्ता से मुलायम का गंधर्व विवाह करावा दिया। वह अब एक साधना यादव हो गई। अखिलेश छोटे थे पर इतने भी नहीं कि मुलायम की इस हरकत का विरोध न कर सके। किया। सैफर्ड के यादव राजपरिवार के प्रतीक यादव की कहानी भी कुछ कर्ण जैसी ही दिखाई देती है। आलीशान जीवन, करोड़ों की कारें, अरबों का कारोबार, फार्महाउस और व्यवसाय , आखिर क्या नहीं था प्रतीक यादव के पास। लेकिन राजनीति और यादव परिवार की दुनिया में उनकी स्थिति कभी स्पष्ट नहीं रही। इसीलिए उन्होंने राजनीति से दूरी बनाए रखी। क्योंकि राजनीति में कदम रखते ही सवालों का महाभारत शुरू हो जाता। राजनीति की दुनिया केवल विरोधियों से ही नहीं लड़ती, अपने भी कई बार सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी बन जाते हैं।

साहब हम गिरगिट हैं, साहित्यकार नहीं



डॉ. सुरेश कुमार

हवाओं का मिजाज तब नहीं बदला था जब सरहदे खिंची गई थीं बल्कि तब बदला जब खुदग़री को काग़जों के चंद टुकड़ों के लिए गिरवी रख दिया गया। शहर के सबसे पुराने कॉफी हाउस में बैठे उस बूढ़े शायर की आंखों में आज भी वही चमक थी जो कभी गंगा की लहरों को देखकर सुभानल्लाह कहा करती थी। वह दौर् भी क्या था जब उसकी गज़लों में बनारस की सुबह और मथुरा की शाम का नूर टपकता था। उसने कभी लिखा था “ऐ पाक जमीर् हिन्दुस्तान तेरी अजमत को सलाम, तेरे ज़र्रे-ज़र्रे में बसा है रूह का आराम”। राजनीति की दीमक ने जब रिश्तों की लकड़ी को काटना शुरू किया तो वफ़ादारी का चोला रातों रात बदल गया। निष्ठा का बाजार इतना सस्ता हो जाएगा यह किसी ने सोचा न था। आदमी जब अपनी जड़ें काटता है तो सबसे पहले अपनी याददाश्तों का कल्ल करता

है। वक्त का पहिया धूमा और वही जुवान जो कभी गुनगुनाती थी “सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तौँ हमारा” अब ज़हर उगलने लगी थी। देशभक्ति की परिभाषा जब भूगोल के आधार पर बदलने लगे तो समझ लेना चाहिए इंसानियत ने खुदकुशी कर ली है। इतिहास के पन्नों पर स्याही की जगह खून गिराने वाले ये फनकार बड़े अजीब होते हैं जो एक ही कलम से सजदा और गाली दोनों लिख सकते हैं। उसी शायर ने विभाजन के बाद जब लाहौर की गलियों में अपनी नई पहचान तलाशी तो कल तक जो ज़मीन उसकी माँ थी वह अचानक सोतेली हो गई। उसने शेर पढ़ा “वह दौर अंधेरों का था जहाँ हम रोशनी ढूँढ रहे थे, अब मिली है मँजिल जहाँ नया आसमाँ देख रहे हैं”। गिरगिट भी शायद उस रफ्तार से रंग नहीं बदलता होगा जिस रफ्तार से शायरों के तहल्लुस बदल गए। अवसरवादिता की चादर ओढ़कर जब कोई सत्य का गला घोटता है तो फरिश्ते भी

खंजर की तरह उतरा तो उसने मुस्कुराकर ज़हर उगला “मिट्टी वही रहती है बस उसे पूजने वाले हाथ बदल जाते हैं”। उसने अपनी नई वफादारी का सवतू देते हुए शेर पढ़ा “कल तक जिसे माँ कहा, आज उसे सीतन बताने लगी है, ये मिट्टी भी अब सियासत के बिस्तर पर कर्वते लड़कने लगी है।” वफ़ादारी जब भूगोल की गुलाम हो जाए तो खुदा भी अपनी रचना पर शर्मिंदा होने लगता है। उसने नफ़क़ाती का च़ाशनी में डूबी अपनी नई नज़्म छेड़ी “जो कल तक अपना था वो आज बेगाना लगता है, उस मुल्क का जर्ज़-जर्ज़ अब पुराना लगता है”। नफ़रत की फसल उगाना इसलिए आसान है क्योंकि इसमें खाद की जगह सिर्फ़ ज़मीर का खून चाहिए होता है। उसने फिर ललकारा “वतन वो नहीं जहाँ पैदा हुए थे हम, वतन तो वो है जहाँ के आका ने नवाज़ा है हमें”। वैचारिक दरिद्रता जब चरम पर होती है तो इंसान अपनी माँ को सोतेला कहने में फ़ख़ महसूस करता है।

अधिकमास की 'वरदा चतुर्थी' आज



अधिकमास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को वरदा चतुर्थी कहा जाता है, जो भगवान गणेश को समर्पित होती है। धार्मिक ग्रंथ भविष्य पुराण के अनुसार, इस दिन विधि-विधान से व्रत और पूजा करने से व्यक्ति को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं आपको बता दें कि अधिकमास की वरदा विनायक चतुर्थी इस वर्ष 19 मई 2026, मंगलवार को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि 19 मई को पड़ रही है, इसलिए इसी दिन व्रत और पूजा का विशेष महत्व माना जाएगा।

वैदिक पंचांग के मुताबिक ज्येष्ठ अधिक मास की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 19 मई 2026 को दोपहर 2 बजकर 18 मिनट पर होगी और इसका समापन 20 मई को सुबह 11 बजकर 06 मिनट पर होगा. उदया तिथि के अनुसार, यह व्रत 20 मई को रखा जाएगा।

वरदा चतुर्थी पूजा का शुभ मुहूर्त
वरदा चतुर्थी पर रवि योग बन रहा है। यह योग 05:28 ए एम से 06:11 ए एम तक रहेगा। इस बीच में आप पूजा- अर्चना कर सकते हैं।

वरदा चतुर्थी का धार्मिक महत्व
अधिकमास को सनातन धर्म में भगवान विष्णु और भक्ति-उपासना का विशेष महीना माना गया है। ऐसे में अधिकमास में आने वाली वरदा विनायक चतुर्थी का महत्व और भी बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से बुद्धि, धन, सफलता और संतान सुख की प्राप्ति होती है।वहीं आपको बता दें कि "वरदा" का अर्थ होता है वरदान देने वाले, इसलिए इस चतुर्थी पर गणपति भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

इस दिन व्रत रखने और गणेश मंत्रों का जाप करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है तथा घर में सुख-शांति बनी रहती है। खासतौर पर नए कार्यों की शुरुआत, करियर, व्यापार और विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए यह दिन बेहद शुभ माना जाता है।

भोजशाला मंदिर में किस देवी को पूजा जाता है?

क्या है वाग्देवी का अर्थ और महत्व

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला मंदिर को ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि, हाल के दिनों में यह प्राचीन स्थल विवादों के कारण चर्चा में आ गया है।लंबे समय से चल रहे भोजशाला विवाद पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए इसे वाग्देवी मंदिर माना है।भोजशाला में ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां वाग्देवी की पूजा की जाती है, जिन्हें मां सरस्वती का स्वरूप माना जाता है।हिंदू समुदाय इसे मां सरस्वती का प्राचीन मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय लंबे समय से इसे कमाल मौलाना मस्जिद होने का दावा करता रहा है।मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मंदिर का निर्माण परमार वंश के राजा भोज ने कराया था।

कौन हैं मां वाग्देवी ?

वाग्देवी को देवी सरस्वती का ही एक स्वरूप माना जाता है।उन्हें ज्ञान, वाणी, संगीत, कला और अभिव्यक्ति की अधिष्ठात्री देवी कहा जाता है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां वाग्देवी मनुष्य के भीतर ज्ञान और बुद्धि का प्रकाश जगाने वाली देवी हैं।शास्त्रों में उनका स्वरूप अत्यंत शांत और दिव्य बताया गया



है।वे श्वेत वस्त्र धारण करती हैं और कमल पर विराजमान दिखाई जाती हैं।उनका यह रूप पवित्रता, ज्ञान और सृजन का प्रतीक माना जाता है.

क्या है 'वाग्देवी' शब्द का अर्थ ?

'वाग्देवी' दो शब्दों से मिलकर बना है - 'वाग्' और 'देवी'. 'वाग्' का अर्थ है वाणी या शब्द

‘देवी’ का अर्थ है दिव्य शक्ति

इस तरह वाग्देवी का अर्थ होता है "वाणी की देवी" या "शब्दों की देवी"।धार्मिक ग्रंथों में मां सरस्वती को ज्ञान और बुद्धि के साथ-साथ वाणी एवं अभिव्यक्ति की सबसे बड़ी देवी माना गया है।

दिल्ली का 108 फीट श्री संकट मोचन धाम



आरती के समय खुलता है बजरंगबली का सीना

दिल्ली के प्रसिद्ध श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में मौजूद हनुमान जी की विशाल प्रतिमा का निर्माण साल 1994 में शुरू हुआ था।इसे पूरा होने में 13 साल लगे।करीब 2007 के आसपास यह मूर्ति पूरी तरह तैयार हुई।108 फीट ऊंची यह प्रतिमा दिल्ली की सबसे पहचान वाली धार्मिक जगहों में गिनी जाती है।इसके अलावा मंदिर में वैष्णो माता की गुफा भी बनाई गई है जो की भक्तों के लिए खास तौर पर आकर्षण का केंद्र है। मंदिर में अखंड ज्योति भी काफी समय से जल रही है।

मंदिर का पूरा नाम श्री सिद्ध हनुमान मंदिर 108 फीट श्री संकट मोचन धाम है।कहा जाता है कि पहले यहां हनुमान जी का छोटा मंदिर हुआ करता था।समय के साथ यहां पूजा-पाठ बढ़ा और बाद में इसे भव्य रूप दिया गया।मान्यता है कि संतो की

प्रेरणा और भक्तों के सहयोग से यहां विशाल मंदिर बनाने का काम शुरू हुआ।धीरे-धीरे यह जगह दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में शामिल हो गई।दिल्ली के करोलबाग और इंडेवालीन के पास स्थित 108 फीट हनुमान मंदिर लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र है।दूर से दिखने वाली बजरंगबली की विशाल मूर्ति इस मंदिर को खास बनाती है।दिल्ली मेट्रो से गुजरते वक्त भी यह मंदिर साफ दिखाई देता है, इसलिए यहां हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं।

इस मंदिर की सबसे बड़ी पहचान है 108 फीट ऊंची बजरंगबली की मूर्ति।लेकिन यहां सिर्फ मूर्ति ही खास नहीं है क्योंकि यहां मंगलवार और शनिवार को खास आरती के समय हनुमान जी की प्रतिमा का सीना खुलता है, जिसमें भगवान राम और माता सीता के दर्शन होते हैं।इसे देखने दूर-दूर से लोग आते हैं. इसके अलावा मंदिर का प्रवेश द्वार भी बेहद अलग है। यहां अंदर जाने का रास्ता एक बड़े मुख जैसा बनाया गया है।

मंदिर में रोजाना होने वाली आरती भी कम खास नहीं है। सुबह की आरती 6:00 से 6:30 AM के बीच होती है।शाम की आरती 7:30 से 8:00 PM के बीच होती है.इसके अलावा मंदिर में बड़े मंगलवार को विशेष भंडारा भी होता है और यहां पर मंगलवार शनिवार को हनुमान भक्तों की लंबी लाइन देखने को मिलती है।

मलमास में क्या-क्या नहीं खाना चाहिए ?

मलमास को अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं।17 मई 2026 यानी कल से मलमास शुरू हो चुका है, जो 15 जून 2026 तक रहेगा।मलमास के दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।इस दौरान मुंडन, गुह प्रवेश, शादी-ब्याह आदि शुभ कार्यों को करने पर रोक होती है।

धार्मिक महत्व के अनुसार, अधिक ज्येष्ठ मास होने के कारण इस वर्ष 12 महीने की बजाय 13 महीने होंगे. हिंदू पंचांग के अनुसार, मलमास यानी अधिक मास।यह प्रत्येक 32-33 महीने में आने वाला एक अतिरिक्त 13वां महीना है।इसे सौर और चंद्र कैलेंडर के बीच बैलेंस बनाने के लिए जोड़ा जाता है।दरअसल, चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है और सौर वर्ष 365 दिनों का।इस तरह से हर साल 11 दिनों का अंतर आ जाता है।यही फर्क तीन साल में एक महीने के बराबर होता है, इसलिए इसे अधिक मास कहा जाता है।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, विष्णु भगवान ने इस महीने को अपना नाम दिया है।पुरुषोत्तम, इसलिए इसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है।मलमास में भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख-समृद्धि आती है।परेशनियां दूर होती

हैं।सांसारिक कार्यों को करने की बजाय इस समय को आध्यात्मिक साधना, आत्म-शुद्धि करने में लगाना चाहिए।साथ ही दान, पुण्य, जप, ध्यान, विष्णु सहस्रनाम का पाठ, कथा आदि में मन लगाना चाहिए.

मलमास में क्या नहीं खाना चाहिए ?

मलमास में मुख्य रूप से सार्विक जीवन, संयम और पूजा-पाठ पर अधिक ध्यान देना चाहिए।स्थानपान में निम्न चीजों के सेवन से परहेज करना फायदेमंद साबित हो सकता है.

मांसाहार जैसे मांस, मछली, अंडा आदि का सेवन वर्जित माना गया है.

-शराब और नशीली चीजों के सेवन से भी बचना चाहिए।वरना अशुभ होगा.

-लहसुन-प्याज (कई लोग पूरे महीने छोड़ देते हैं) खाने की मनाही होती है.

-बहुत ज्यादा तामसिक और मसालेदार भोजन करने से बचना चाहिए.

-बासी भोजन भी नहीं करना चाहिए, बल्कि घर का बना ताजा खाना खाएं.

-कुछ लोग बाहर का जंक फूड और तला-भुना भी

नहीं खाते हैं.

-काफी विष्णु भक्त एक समय ही भोजन करते हैं।फलहार या व्रत रखते हैं.

-कुछ परंपराओं के अनुसार, दालें,अनाज छोड़ने का नियम भी है, लेकिन यह लोगों के अपने परिवार की परंपरा, क्षेत्र पर भी निर्भर करता है.

मलमास में क्या खाना चाहिए ?

आप अधिक मास यानी मलमास में शुद्ध और सात्विक भोजन करें।मौसमी फल, दूध, दही, लौकी, धनिया, मिर्च, सेंधा नमक, जीरा, गेहूं, जौ, चना, मूंग, तिल, मूंगफली का सेवन कर सकते हैं।इस दौरान पालक, बैंगन, भिंडी खाना वर्जित माना गया है.

मलमास में क्या करना वर्जित माना जाता है ?

परंपरागत मान्यताओं के अनुसार, मलमास में निम्न मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं:

शादी-ब्याह, सगाई

मुंडन, जनेऊ जैसे संस्कार

गृह खरीदारी या शुभ कार्य

नया व्यापार/दुकान शुभ मुहूर्त में शुरू करना।

जेठ महीने में होंगे 59 दिन सूर्य-चंद्रमा की चाल से बढ़ता है एक महीना

हिंदू समेत कई धर्मों में होता है अधिक मास

हिंदू पंचांग में 2026 में जेठ का महीना 30 के बजाय 59 दिनों का है। क्योंकि इस बार एक एक्स्ट्रा महीना इसमें जुड़ा है। जिसे अधिक मास कहते हैं। एक्स्ट्रा महीना जुड़ने के बावजूद कैलेंडर गड़बड़ नहीं होगा।

ये हिंदी कैलेंडर का गणित है, इसलिए हर बड़ा साल बाद ऐसा होता है। अब सवाल है कि ये होता कैसे है और ऐसा करने की जरूरत ही क्यों पड़ती है, अधिक मास किसे कहते हैं ? इन सब सवालों के जवाब जानते हैं।

पहले ये जान लीजिए- हिंदी कैलेंडर का जेठ महीना 2 मई से शुरू होकर 29 जून को खत्म होगा। इसी बीच 30 दिन का अधिक मास भी रहेगा, जो कि 17 मई से 15 जून तक होगा। इस तरह जेठ महीना 59 दिनों का रहेगा।

अब समझते हैं अधिक मास का गणित खगोलीय कालगणना: सूर्य-चंद्रमा की घड़ी में तालमेल बनाता है अधिक मास

अधिक मास का सबसे खास खगोलीय पक्ष यह है कि यह सूर्य और चंद्रमा की दो अलग-अलग घड़ियों को एकसाथ चलाए रखता है। चंद्रमा की घड़ी तिथि, पक्ष और महीना बताती है। सूर्य की घड़ी मौसम, साल और संक्रांति का संकेत देती है। दोनों में स्वाभाविक अंतर है, क्योंकि चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूमता है और पृथ्वी सूर्य के चारों ओर। अधिक मास इस अंतर को खत्म नहीं करता, बल्कि समय-समय पर संतुलित करता है। यह भारतीय कालगणना की व्यावहारिक और वैज्ञानिक व्यवस्था है।

अधिक मास न जोड़ा जाए तो जुलाई-अगस्त में मनेगी दीपावली

अधिक मास ऐसी व्यवस्था है जो चंद्रमा पर आधारित महीनों को सूर्य वाले महीनों के साथ मिलाए रखती है। अगर ये एक्स्ट्रा महीना कभी न जोड़ा जाए, तो चंद्रमा से बनी तिथियां हर

साल सौर कैलेंडर के हिसाब से करीब 11 दिन पहले आने लगेंगी। इसका असर यह होगा कि हमारे त्योहार 3 साल बाद करीब 1 महीना पहले और 9 साल बाद पूरे 3 महीने पहले आने लगेंगे।

ऐसी स्थिति में, अक्टूबर-नवंबर में आने वाली दीपावली खिसककर जुलाई-अगस्त में आ जाएगी। मतलब, जो त्योहार अभी सर्दी या शरद ऋतु में आते हैं, वो धीरे-धीरे बरसात या गर्मी जैसे दूसरे मौसमों में पहुंच सकते हैं। अधिक मास इसी गड़बड़ी को रोकता है और इसी की वजह से हमारे त्योहार हमेशा अपने सही मौसम से जुड़े रहते हैं। जैसे- होली हमेशा वसंत में, दीपावली शरद ऋतु में और चातुर्मास वर्षा ऋतु में ही आते हैं।

एक्स्ट्रा महीना जोड़ने की व्यवस्था सिर्फ हिंदू धर्म में नहीं है

दुनिया के कई कैलेंडरों में चांद और सूरज की चाल को आपस में मिलाने के लिए एक एक्स्ट्रा महीना जोड़ने की वैज्ञानिक व्यवस्था अपनाई जाती है। यह व्यवस्था केवल हिंदू पंचांग तक सीमित नहीं है, बल्कि चीनी कैलेंडर सहित अन्य जगहों पर भी इसी तकनीक का इस्तेमाल होता है। ताकि उनके त्योहार और मौसम हमेशा सही तालमेल में रहें। चूंकि चंद्रमा का साल सूरज के साल से करीब 11 दिन छोटा होता है, इसलिए समय के इस बड़े अंतर को भरने के लिए बीच-बीच में एक पूरा एक्स्ट्रा महीना जोड़ दिया जाता है, जिसे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है।





हर इंसान की दिनचर्या में जरूर होनी चाहिए ये चार सरल आदतें, बीमारियों से रहेंगे दूर

आज की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। हमारी अनियमित दिनचर्या, काम का बढ़ता दबाव और खानपान की गलत आदतें सीधे तौर पर हमारी सेहत पर पड़ता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सेहतमंद रह ही नहीं सकते। अच्छी बात यह है कि आप अपनी जीवनशैली में बहुत बड़े बदलाव किए बिना भी स्वस्थ रह सकते हैं।

कुछ छोटी आदतें आप अपनी लाइफस्टाइल में शामिल कर लें, तो आप न सिर्फ शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनेंगे और कई तरह की बीमारियों से खुद को दूर रख पाएंगे। आइए इस लेख में ऐसे ही चार मुख्य आदतों के बारे में जानते हैं।

सुबह की धूप में आधा घंटा बिताएं
सुबह की हल्की धूप विटामिन डी का प्राकृतिक स्रोत है, जो



हड्डियों, इम्यूनिटी और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। रोजाना सुबह 15-30 मिनट धूप में बिताने से मन हल्का होता है और डिप्रेशन और तनाव जैसी समस्याओं से आप दूर रहते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और स्लिप साइकिल को नियमित करता है।

नंगे पैर खुले आसमान के नीचे टहलें
खुले आसमान के नीचे घास या

मिट्टी पर नंगे पैर 10-15 मिनट टहलना शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद होता है। ये तनाव को कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है। नंगे पैर चलने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यह आदत मानसिक शांति प्रदान करने में भी मदद करती है।

रोजाना 10,000 कदम चले
विश्व स्वास्थ्य संगठन के

अनुसार, रोजाना 10,000 कदम चलना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। तेज चलने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, कैलोरी बर्न होती है और मूड बेहतर रहता है। अगर आप व्यस्त रहते हैं, तो दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लेकर पैदल चलें।

गैजेट्स से एक घंटा दूर रहें
स्मार्टफोन, लैपटॉप और टीवी जैसे गैजेट्स का ज्यादा इस्तेमाल आंखों की थकान, नींद की कमी और तनाव का प्रमुख कारणों में से एक है। रोजाना कम से कम एक घंटा स्क्रीन-फ्री समय निकालें। इस दौरान किताब पढ़ें, परिवार के साथ बात करें, ध्यान करें या प्राकृतिक का आनंद लें। इससे मानसिक स्वास्थ्य सुधरता है, नींद की गुणवत्ता बढ़ती है और तनाव कम होता है।

लू से बचाव के आयुर्वेदिक उपाय



आंवला
आंवला में लाभकारी आयुर्वेदिक गुण हैं, वात और पित्त दोष दोनों को संतुलित रखता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। आंवला के सेवन से कफ भी दूर होता है। गर्मियों में कच्चे आंवले का सेवन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। लू या चिलचिलाती हवा से शरीर को होने वाले नुकसान से आंवला बचाता है। गर्मियों में आप आंवला का जूस, लच्चा, अचार, आंवला पाउडर या मुरब्बे का सेवन कर सकते हैं।

गुलकंद
गर्मी के मौसम में थकान, सुस्ती और शरीर में जलन व खुजली की समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा गर्मियों में एसिडिटी, पेट फूलने के कारण पेट में जलन भी हो सकती है। गर्मियों में होने वाली इन परेशानियों से राहत पाने के लिए गुलकंद का सेवन करना चाहिए। गुलकंद आंतों और पेट की समस्या से राहत पहुंचाता है।

सेब का सिरका
गर्मियों में अगर लू लग जाए तो शरीर में मिनरल और

इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाती है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से शरीर में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल की मात्रा काफी कम हो सकती है। इससे बचाव और मिनरल की कमी को पूरा करने के लिए सेब के सिरके का सेवन करें। सेब का सिरका सेहत के लिए फायदेमंद है। रोजाना दिन में दो बार दो चम्मच सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर सेवन करें।



आयुर्वेद के मुताबिक, गर्मियों में बेल के शरबत को सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। बेल में विटामिन सी और फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। बेल के शरबत के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। बेल का शरबत लू और सुखेपन से बचाव करता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। गर्मियों में होने वाली शारीरिक समस्याओं से राहत चाहते हैं तो रोजाना दो बार बेल के जूस का सेवन खाना खाने से पहले करें।

ज्यादा ठंडी हवा बन सकती है बीमारियों की वजह! एक्सपर्ट्स से जानें कितना रखना चाहिए ऐसी का तापमान

गर्मी के मौसम में एयर कंडीशनर (AC) का लगातार इस्तेमाल आराम जरूर देता है, लेकिन इसका सीधा असर हमारी सेहत पर भी पड़ता है। बहुत से लोग ठंडक पाने के लिए ऐसी की जरूरत से ज्यादा कम तापमान पर सेट कर देते हैं, जिससे शरीर का तापमान अचानक बदल जाता है और शरीर में कई समस्याएं बढ़

समय तक रहने से शरीर की प्राकृतिक गर्मी और ठंडक का संतुलन बिगड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि ऐसी का उपयोग सोच-समझकर किया जाए ताकि गर्मी से राहत भी मिले और स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर न पड़े। सही सेटिंग अपनाकर हम गर्मियों में स्वस्थ और सुरक्षित रह सकते हैं। यहां इस लेख में हम आपसे इसी

असर पड़ सकते हैं। लगातार ठंडी हवा में रहने से सर्दी-जुकाम, खांसी और गले में इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सिर दर्द, आंखों में सूखापन और मांसपेशियों में जकड़न भी देखने को मिलती है।

लंबे समय तक गलत तापमान में रहने से शरीर की इम्यूनिटी पर भी

है। विशेषज्ञों के अनुसार 24C से 26C का तापमान शरीर के लिए सबसे सुरक्षित और आरामदायक माना जाता है।

ऐसी का सही तापमान न सिर्फ शरीर के प्राकृतिक तापमान को संतुलित रखता है, बल्कि ज्यादा ठंड और अचानक तापमान बदलाव से होने वाली परेशानियों से भी बचाता है। इस रेंज में ऐसी चलाने से शरीर को आराम मिलता है और थकान भी कम महसूस होती है।

ऐसी में रहते हैं तो इन बातों का भी ध्यान रखें

सेहत को सुरक्षित रखने के लिए AC का सही तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए।

बहुत कम तापमान (16-20C) से बचना जरूरी है और सीधे AC की हवा शरीर पर नहीं पड़नी चाहिए।

हर 1-2 घंटे में थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेना फायदेमंद होता है। कमरे में हल्की नमी बनाए रखना और पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है।

रात में टाइमर का उपयोग करें ताकि ज्यादा देर तक ठंडी हवा में न रहें।

AC की नियमित सफाई और सर्विसिंग भी जरूरी है ताकि हवा साफ और सुरक्षित बनी रहे।



सकती हैं। ऐसे में डॉक्टरों के अनुसार ऐसी का सही तापमान न केवल शरीर को आराम देता है बल्कि इम्यून सिस्टम पर भी सकारात्मक असर डालता है। गलत तापमान पर लंबे

बारे में बात करेंगे।
सबसे पहले जान लें AC के गलत तापमान से होने वाली समस्याएं
बहुत कम तापमान पर ऐसी चलाने से शरीर पर कई नकारात्मक

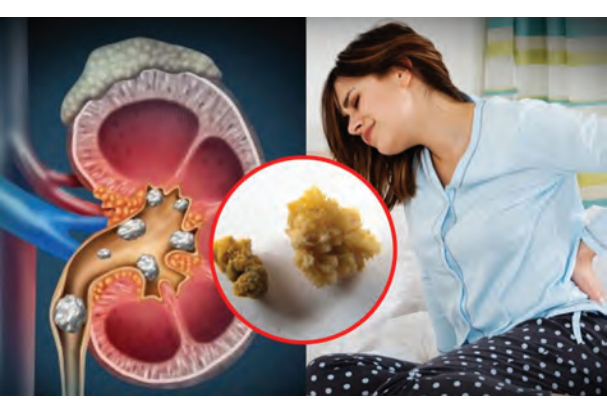
असर पड़ सकता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।
तो कितना होना चाहिए ऐसी का तापमान?
एयर कंडीशनर का सही इस्तेमाल सेहत के लिए बहुत जरूरी

किडनी में स्टोन का शक है तो कैसे लगाएं इसका पता

किडनी में स्टोन (पथरी) की समस्या सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही है, यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को इससे बचाव के लिए उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि खान-पान और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण ये समस्या बच्चों को भी प्रभावित कर रही है। मायो क्लिनिक की रिपोर्ट से पता चलता है कि डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) किडनी में स्टोन होने का सबसे बड़ा कारण है। इसके अलावा जिन लोगों के शरीर में फैट बढ़ने लगता है उनको भी ये दिक्कत हो सकती है।

क्या आपको भी लगता है कि कहीं आपकी किडनी में तो स्टोन नहीं हो गया है? इसकी पहचान कैसे की जाए, आइए जानते हैं।
किडनी में स्टोन का खतरा
अगर किडनी में स्टोन होने का शक है तो इसके लक्षणों पर ध्यान देना सबसे जरूरी हो जाता है। इस बारे में जानने से पहले आपको लेना जरूरी है कि आखिर किडनी स्टोन होता क्यों है?
किडनी स्टोन ठोस खनिज और लवणों के जमाव से बनती है।

यूरिन में मौजूद रसायन और अन्य तत्व जैसे कैल्शियम, ऑक्सलेट, यूरिक एसिड आदि के अत्यधिक जमाव के कारण भी किडनी में स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है। किडनी में स्टोन होने पर



आपको कई तरह की दिक्कतें होनी शुरू हो जाती हैं, जिनपर ध्यान देकर आप पता कर सकते हैं कि कहीं आपको भी तो ये दिक्कत नहीं हो रही है।
किडनी स्टोन में क्या दिक्कतें होती हैं?
अगर आपकी किडनी में पथरी हो रही है तो सबसे पहले आपको पेट में तेज दर्द होता है। ये दर्द कमर के निचले हिस्से, पेट के एक ओर या पीठ में अचानक और तीव्र हो सकता है। इसके साथ

कुछ अन्य लक्षणों पर भी ध्यान देना जरूरी है। दर्द अक्सर लहरों जैसी होती है, कभी बहुत ज्यादा, कभी कुछ कम। स्टोन के कारण पेशाब में

तकलीफ जैसे पेशाब करते समय जलन या दर्द हो सकता है। बार-बार पेशाब आना, लेकिन कम मात्रा में पेशाब होना भी किडनी स्टोन का संकेत हो सकता है।

इन तथ्यों को भी जानिए
अध्ययनों से पता चलता है कि 80% किडनी स्टोन कैल्शियम ऑक्सलेट के कारण होते हैं, जिसका मतलब है कि अगर आप अपने आहार में कैल्शियम

ऑक्सलेट वाली चीजों की मात्रा कम कर लेते हैं तो इससे किडनी में स्टोन होने का खतरा भी कम किया सकता है।

इसी तरह नेशनल किडनी फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसी को एक बार स्टोन हुआ है, तो 50% आशंका होती है कि उसे अगले 5-10 वर्षों में दोबारा ये खतरा हो सकता है। इस तरह के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को अलर्ट रहना चाहिए।

किडनी स्टोन से बचे रहने के लिए क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि किडनी में स्टोन बनने के खतरे को कम करने के लिए सबसे जरूरी है भरपूर मात्रा में पानी पीते रहना। दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी (दिन में 2.5 से 3 लीटर) पिएं। इसके अलावा अपनी डाइट पर ध्यान दें।

ज्यादा नमक, ऑक्सलेट युक्त चीजें (पालक, बीट्स, चाय आदि) कम से कम खाएं। कई अध्ययन बताते हैं कि खुद से दर्द निवारक लेते रहना भी किडनी में पथरी होने के खतरे को बढ़ा देता है।

गर्मियों के मौसम में अधिक तापमान में ठंडा पानी पीना लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। गर्मियों में हाइड्रेट रहने के लिए लोग लिक्विड ड्रिंक का सेवन करते हैं, जिसमें साधारण पानी के साथ ही लोग लस्सी, जूस और नारियल पानी समेत तरह तरह के ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाइड्रेटेड रहने के लिए कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीना बेहद जरूरी होता है। लेकिन पानी पीते समय उसके सही तापमान का होना भी जरूरी है। पानी के तापमान का असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मियों में लोग ठंडा पानी पीने के इच्छा से फ्रिज का पानी पीते हैं। च्यास बुझाने और थकावट दूर करने के लिए लोग कभी भी ठंडा पानी पी लेते हैं, इससे भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल जाती है लेकिन इसका नुकसान भी बहुत होता है। आयुर्वेद में ठंडे पानी को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। खासकर फ्रिज का चिल्ल वाटर बिल्कुल भी नहीं पीना चाहिए। धूप से आकर, एक्सप्रेससाइज के बाद या खाने के बाद ठंडा पानी पीने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी गर्मियों में गलत समय और गलत तरीके से ठंडे पानी का सेवन करते हैं तो जान लें इससे सेहत पर होने वाले नुकसान के बारे में।

पाचन पर प्रभाव
शरीर किसी भी पदार्थ को अपने



तापमान पर लाता है, जिसे वह आगे पाचन के लिए भेजता है लेकिन बहुत कम तापमान की चीजों का सेवन करने से शरीर उसे अपने तापमान के मुताबिक करने लगता है, जिससे डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अपच की समस्या हो जाती है। पेट में ठंडा पानी डाइजैस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। रिसर्च के मुताबिक, ठंडा पानी ब्लड वेसल्स को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन की समस्या हो जाती है।

ठंडे पानी से गले में खराश

अक्सर गला खराब होने या आवाज बदलने पर बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जरूर ठंडा पानी पी लिया होगा। यह सही भी है, ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो जाती है। फ्रिज में निकालकर ठंडा पानी पीने से ऐसी समस्या होना आम बात है। वहीं अगर आप भोजन के बाद ठंडा पानी पी लेते हैं तो बलगम बनने लगता है और सांस लेने के रास्ते ब्लॉक हो जाते हैं। जिससे गले में खराश, बलगम, जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।



फ्रिज के पानी से हार्ट रेट कम हो जाता है

ठंडे पानी का सेवन आपके शरीर का हार्ट रेट भी कम कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से दसवीं कपाल तंत्रिका (वेगस नर्व) स्टिम्युलेट हो जाती है। शरीर के अनेच्छिक कार्यों को नियंत्रित करने का काम नर्व ही करती है। कम तापमान के पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर होता है, जिससे हार्ट रेट कम हो जाती है।

ठंडे पानी से सिरदर्द की समस्या

धूप से आने के तुरंत बाद अगर आप बहुत ठंडा पानी या बर्फ का पानी पी लेते हैं तो ब्रेन फ्रीज हो सकता है। ठंडे पानी का सेवन आपकी रीढ़ की कई नसों को ठंडा कर सकता है, जिसका असर मस्तिष्क पर होता है और सिर दर्द होने लगता है। साइंस की समस्या से ग्रसित लोगों के लिए यह स्थिति मुसीबत बढ़ा सकती है।

ठंडे पानी से वेड लॉस में दिक्कत

जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें ठंडे पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ठंडे पानी के कारण शरीर में मौजूद फैट को बर्न करना मुश्किल हो जाता है। फ्रिज के पानी से शरीर का फैट सख्त हो जाता है, जिसकी वजह से वसा को कम करने में समस्या आती है और वजन कम नहीं होता।



सरकार के मंत्री झाबर सिंह खर्रा का दावा शेखावाटी में जल्द आएगा यमुना नहर का पानी

सीकर, 18 मई (एजेंसियां)। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने दावा किया है कि यमुना जल समझौते के बाद बनाई गई पेयजल योजना की डीपीआर बन चुकी है और जल्दी ही शेखावाटी में किसानों को सिंचाई के लिए नहरी पानी मिलेगा। मंत्री खर्रा अजीतगढ़ क्षेत्र के गढ़टकनेत गांव में ग्राम रथ अभियान एवं ग्राम विकास चौपाल में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी तथा अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर ग्राम रथ के एलइडी के जरिये लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गढ़टकनेत में टीन शेड व इंटरलॉकिंग लगाने, बालिकाओं के लिए अलग से शौचालय का निर्माण करने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि डेढ़ साल पहले स्वीकृत एक करोड़ की राशि से कमरों का निर्माण शुरू कराने व 15 दिन में आम रास्तों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। दूध उत्पादक सहकारी समिति कोकावाली (गढ़टकनेत) के अध्यक्ष शान्तनु कुमार के नेतृत्व में लोगों ने मंत्री को दुग्ध उत्पादक संघ सीकर में



अनियमितता की शिकायत की। इस पर यूडीएच मंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार स्नेहलता राजोरिया, गढ़टकनेत प्रशासक राजेश नायक, भाजपा के जिला महामंत्री पूर्ण गुर्जर, जिला मंत्री अजय सिंह खर्रा, पंचायत समिति के अतिरिक्त विकास अधिकारी सांवरमल सैनी सहित काफी लोग मौजूद थे।

इधर किसान महापंचायत ने यमुना जल समझौते लेकर सरकार पर थोथी बयानबाजी करने के आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। महापंचायत के प्रदेश महामंत्री एवं अजीतगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के प्रशासक संघ के संरक्षक सुंदरलाल भावरिया ने कहा कि सरकार के मंत्री

बार-बार बोल रहे हैं कि यमुना जल समझौता हो चुका है एवं इसकी डीपीआर पूरी बन चुकी है लेकिन सवाल यह है कि सरकार कब तक इस समझौते को धरातल पर उतारेगी।

भावरिया कहा कि आज से 2 साल पहले अजीतगढ़ क्षेत्र के बामरला जोहड़े में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घोषणा की थी कि जल्दी ही शेखावाटी में यमुना नदी का जल किसानों के लिए सिंचाई के लिए आ जाएगा। साथ ही राज्य सरकार के मंत्री भी श्रीमाधोपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में होने वाले कार्यक्रमों में अपने भाषणों में एक ही बात कहते हैं कि यमुना जल समझौता हो गया है एवं डीपीआर बन चुका है, जल्दी ही किसानों को इसका पानी सिंचाई के लिए लाया जाएगा। लेकिन सरकार बोल रही है कि इसका समझौता तो हो गया है एवं डीपीआर बन चुकी है। लेकिन सरकार इस समझौते को धरातल पर कब तक उतारने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि किसान महापंचायत लगातार किसानों के हित को देखते हुए सरकार से मांग करती है कि जल्दी से जल्दी यमुना का पानी शेखावाटी के सीकर जिले में लाया जाए, ताकि किसान अपनी फसलों में इसके पानी का उपयोग कर सके।

अफसरों की 'वीआईपी सवारी' पर लगा ब्रेक!

अब एक ही सरकारी गाड़ी में साथ बैठकर दफ्तर आएंगे 'साहब'

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी की ईधन बचाने की देशव्यापी अपील और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सख्त निर्देशों के बाद राजस्थान के कृषि विभाग ने एक ऐसा अनूठा कदम उठाया है, जो सरकारी अफसरशाही की पुरानी कार्यप्रणाली को पूरी तरह बदलने जा रहा है। विभाग में अब अधिकारियों की 'VIP सवारी' और अलग-अलग चमचमाती सरकारी गाड़ियों के डाट-बाट पर ब्रेक लगने वाला है। सोहवार से विभाग अपने अधिकारियों के लिए एक कड़क 'पूल सिस्टम' लागू करने जा रहा है। इसका सीधा मतलब यह है कि अब 'साहब' अकेले गाड़ी में नहीं घूमेगे, बल्कि सहकर्मियों के साथ 'गाड़ी साझा' (कारपूल) करके दफ्तर पहुंचेंगे।

कृषि विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने इस दिलचस्प और क्रांतिकारी योजना का खाका पेश करते हुए बताया कि जिन भी अधिकारियों का घर दफ्तर से 10 किलोमीटर के दायरे में है, उनका एक स्पेशल ग्रुप बनाया जाएगा। अब



एक ही सरकारी गाड़ी में तीन से चार अधिकारी बैठकर दफ्तर आएंगे और जाएंगे। इसके लिए बाकायदा अधिकारियों की सूची तैयार कर रूट मैप फाइनल कर लिया गया है।

अक्सर देखा जाता था कि एक ही कॉलोनी या एक ही रूट से अलग-अलग अधिकारी अपनी अलग-अलग सरकारी गाड़ियों में एक ही समय पर दफ्तर के लिए निकलते थे। इस वीआईपी दोहराव को रोकने के लिए ही यह मास्टरप्लान तैयार किया गया है। विभाग का दावा है कि इस 'शेयरिंग फॉर्मूले' से हर महीने हजारों लीटर डीजल-पेट्रोल की बचत होगी और गाड़ियों के मेंटेनेंस का सरकारी खर्च भी आधा हो जाएगा।

ईधन और सरकारी पैसे की बर्बादी को रोकने के लिए कृषि विभाग सिर्फ गाड़ियों पर ही नहीं रुका है। विभाग

ने तय किया है कि अब अफसरों के बड़े-बड़े सेमिनार, कड़क ट्रेनिंग प्रोग्राम और बैठकें भौतिक रूप से आयोजित करने के बजाय सीधे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होंगी। यानी अब अधिकारियों को मीटिंग के नाम पर बार-बार जिला मुख्यालय या राजधानी जयपुर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। फील्ड विजिट भी तभी होगी, जब बेहद जरूरी होगा।

विभाग का मानना है कि इस 'पूल सिस्टम' से न केवल सरकारी खजाने का बोझ कम होगा, बल्कि सड़कों पर गाड़ियां कम होने से कार्बन उत्सर्जन घटेगा और पर्यावरण को भी राहत मिलेगी। इसके साथ ही, जब गाड़ी में सब साथ होंगे तो दफ्तर में अफसरों की 'लेट लतीफी' पर भी लागम लगेगी। कृषि विभाग की यह अनूठी पहल अब राजस्थान के अन्य सरकारी विभागों के लिए एक 'रील मॉडल' बनने जा रही है। अगर कृषि विभाग का यह प्रयोग हिट रहता है, तो आने वाले दिनों में राजस्थान के तमाम सचिवालयों और सरकारी दफ्तरों में अफसरों को 'कारपूल' करते हुए देखा जा सकेगा।

धौलपुर जिले में दिखा आर्कटिक का दुर्लभ पक्षी कॉमन रिग्ड प्लोवर, पक्षी प्रेमी उत्साहित

धौलपुर, 18 मई (एजेंसियां)। आर्कटिक और उत्तरी यूरोप के बर्फीले क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर का सफर तय करके दुर्लभ पक्षी कॉमन रिग्ड प्लोवर धौलपुर जिले के हुसैन सागर इलाके में देखा गया है। इससे पहले यह पक्षी प्रदेश के केवल भरतपुर, सर्वाइ माधोपुर और जैसलमेर जिलों में ही देखा गया था। इस दुर्लभ पक्षी की दस्तक ने धौलपुर का नाम राजस्थान के 'कॉमन रिग्ड प्लोवर एक छोटा, गंभीर आसपा' बना दिया। अदालत ने माना कि गंभीर आरोप सिद्ध होने के बावजूद कर्मचारी को अपना पक्ष रखने और परिस्थितियां बताने का अवसर मिलाना चाहिए।

अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता को न तो कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। इस आधार पर कोर्ट ने आदेश को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत माना।

ऐतराज जताया था। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन एयरपोर्ट परियोजना के नाम पर दोनों गांवों की करीब 4,000 बीघा बेशकीमती कृषि भूमि अधिग्रहित करने की तैयारी कर रहा है।

किसानों ने कहा- बेरी-तारपुरा और दादिया इलाके में पहले रेलवे लाइन और अब एयरपोर्ट के नाम पर उनकी जमीनें ली जा रही हैं। यदि ऐसा हुआ तो उनके पास खेती और आजीविका के लिए एक इंच जमीन भी नहीं बचेगी।

ये किसान गांवों से सुबह 9:30 बजे ट्रैक्टर, बसें, गाड़ियों से रवाना हुए। इस दौरान किसानों के काफिले में 34 बसें, 80 ट्रैक्टर, 100 से ज्यादा गाड़ियां और करीब 100 बाइकें रहीं।



विधानसभा परिसर के विभिन्न ऐतिहासिक द्वारों का नामकरण भी किया गया। इस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और संसदीय कार्य मंत्री गोगाराम पटेल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की कल्पना से तैयार इस नए प्रतीक चिह्न में राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। नए लोगों में दो सबसे खास तत्वों को शामिल किया गया है, जो पूरे मरुस्थल का सम्मान हैं। राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हरा-भरा रहने और जीवन को बनाए रखने की क्षमता का प्रतीक है। ग्रामीण जीवन और पर्यावरण संतुलन की रीढ़ माने जाने वाले इस वृक्ष को लोगों में शामिल कर राज्य की पर्यावरणीय विरासत को सलाम किया गया है। राज्य पशु ऊंट मरुधरा की जीवतटा, अटूट धैर्य और मजबूती से आगे बढ़ने के स्वभाव को दर्शाता है। यह राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान का सबसे प्रखर चिह्न है। ऊंट सदियों से राजस्थान के शूरवीरों और राजा-महाराजाओं का न केवल युद्ध के मैदान में विश्वसनीय साथी रहा है, बल्कि मरुधरा के व्यापारिक कारवानों की मुख्य जीवनरेखा भी रहा है। बीकानेर रियासत के महाराजा गंगा सिंह ने विश्व प्रसिद्ध 'गंगा रिसाला' का गठन किया था, जिसने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वैश्विक स्तर पर अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया।

भाजपा विधायक ने खोले बंगाल के ‘सीक्रेट’ बोले- राज्य में फर्जी दस्तावेजों का नेटवर्क

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। जयपुर में सिद्ध पीठ धाम पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे पश्चिम बंगाल के सुनारपुर उत्तर से विधायक देवाशीष धर ने संत कमलेश जी महाराज का आशीर्वाद लिया। उन्होंने बताया कि चुनाव लड़ने से पहले भी वे जयपुर आकर गुरुजी का आशीर्वाद ले चुके थे और जीत के बाद दोबारा दर्शन करने का संकल्प लिया था।

देवाशीष धर ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत सफलता की कामना नहीं की, बल्कि हमेशा यही प्रार्थना की कि उनके माध्यम से करोड़ों लोगों का भला हो सके। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने पहले ही जीत का आशीर्वाद दिया था और अब आगे भी बड़ी जिम्मेदारियों के संकेत मिले हैं।

बंगाल की राजनीति और चुनावी माहौल पर बोलते हुए विधायक ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों



में राज्य में बेरोजगारी, उद्योगों की मुक्ति चाहते थे। उन्होंने आरोप स्थिति लगातार बिगड़ती रही है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते थे और राजनीतिक हिंसा आम हो चुकी थी।

देवाशीष धर ने कहा कि बंगाल की जनता बदलाव चाहती थी। उनके अनुसार, चुनाव के दौरान लोगों ने स्वतः भाजपा को समर्थन

दिया क्योंकि वे भय और हिंसा से मुक्ति चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ और फर्जी दस्तावेजों का बड़ा नेटवर्क सक्रिय था, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की पहली प्राथमिकता कानून व्यवस्था को मजबूत करना होगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष तंत्र बनाया जाएगा, ताकि

बालिंग पत्नी से संबंध 'रेप' नहीं, हाईकोर्ट ने कहा- कानून को बदले का हथियार बनाकर वक्त न करें बर्बाद

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। क्या एक ही समय पर कोई महिला किसी पुरुष की 'पत्नी' भी हो सकती है और उसके खिलाफ 'बलात्कार' की पीड़िता भी? राजस्थान हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक और बेहद कड़ा फैसला सुनाते हुए इस कानूनी विरोधाभास पर न सिर्फ लगाम लगाई है, बल्कि इसे कानूनी प्रक्रिया का खुला दुरुपयोग भी माना है। जस्टिस अनूप कुमार डंड की एकलपीठ ने साफ शब्दों में व्यवस्था दी है कि यदि शादी वैध है और विवाह के समय पत्नी बालिंग (18 वर्ष से ऊपर) थी, तो पति के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा किसी भी सूरत में नहीं बनता।

कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में दर्ज बलात्कार की FIR को खारिज करते हुए तथ्य निर्माण की कि 'फैशन' बन चुकी ऐसी फिजूल की मुकदमेबाजी के कारण ही अदालतों में मुकदमों का अंबार लगी है और असली पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी हो रही है।

पंचायत-निकाय चुनावमें देरी पर हाईकोर्टमें सुनवाई टली 26 मई को अगली सुनवाई

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव में हो रही देरी को लेकर राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल और जस्टिस अनिल कुमार उपमन की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 26 मई तय की है। दरअसल, पूर्व विधायक संयम लोढ़ा, गिरांज सिंह देवदा और अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका से सुनिश्चित होने के कारण अदालत ने सुनवाई आगे बढ़ा दी। इससे पहले पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को अवमानना नोटिस जारी किए थे।



हाईकोर्ट के सामने एक ऐसा अजीबोगरीब मामला आया जहां पत्नी ने पति पर दहेज प्रताड़ना और बलात्कार दोनों केस ठोक दिए थे। इस पर कोर्ट ने कानून का आईना दिखाते हुए कहा कि अगर तुम्हारे साथ बलात्कार हुआ था, तो तुम उसकी पत्नी नहीं हो सकती। और अगर तुम दहेज प्रताड़ना का केस डाल रही हो, तो तुम पत्नी के रूप में अधिकार मांग रही हो। कानून को इस तरह मजाक बनाकर विरोधाभासी एफआईआर दर्ज कराने की इजाजत नहीं दी जा सकती। साल 2021 में एक कपल ने रजामंदी से शादी की और रजिस्ट्रेशन भी कराया। बाद में अनबन हुई, तो पति साथ रहने की गुहार लगाने कोर्ट पहुंचा और पत्नी तलाक मांगने में देरी हो रही है।

रिहायशी इलाके में घुसा लेपर्ड, दहशत में लोग वन विभाग की अपील- रात में अकेले बाहर नहीं निकले



जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। भोजन और पानी की तलाश में झालाना जंगल के लेपर्ड की आबादी क्षेत्रों में आवाजाही थम नहीं रही है। एक बार फिर जगतपुरा स्थित पॉम कोर्ट कॉलोनी में लेपर्ड का मूवमेंट सामने आया है। शुक्रवार और शनिवार की देर रात लेपर्ड कॉलोनी में घूमता नजर आया, जिसका वीडियो वलें लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। रविवार को फुटेज सामने आने के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार देर रात कॉलोनी में लेपर्ड की हलचल

किसी भी समय महिलाएं सुरक्षित महसूस कर सकें। इसके अलावा रोजगार सृजन, निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है।

विधायक ने दावा किया कि अगले पांच वर्षों में बड़े स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है। आईटी, डेटा सेंटर, फिल्म सिटी और नई टेक्नोलॉजी आधारित निवेश पर विशेष फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वय से बंगाल को औद्योगिक और आर्थिक रूप से नई दिशा दी जाएगी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी रहे देवाशीष धर ने कहा कि प्रशासनिक अनुभव उन्हें सरकारी चलााने और योजनाओं को लागू करने में मदद करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि सही नेतृत्व और मजबूत प्रशासन से बंगाल को नई पहचान दिलाई जा सकती है।

विधानसभा का नया लोगो जारी 5वें साल में 'खेजड़ी' और 'रिंगिस्तान के जहाज' को मिला ऊंचा मुकाम

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। विधानसभा ने अपने 75वें स्थापना वर्ष के ऐतिहासिक मौके पर अपनी एक नई और अनूठी पहचान दुनिया के सामने पेश की है। जयपुर में आयोजित 'अमृत महोत्सव उद्घोष' कार्यक्रम के दौरान विधानसभा के नवनिर्मित आधिकारिक प्रतीक चिह्न का विमोचन किया गया और साथ ही देवनानी और संसदीय कार्य मंत्री गोगाराम पटेल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की कल्पना से तैयार इस नए प्रतीक चिह्न में राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। नए लोगों में दो सबसे खास तत्वों को शामिल किया गया है, जो पूरे मरुस्थल का सम्मान हैं। राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हरा-भरा रहने और जीवन को बनाए रखने की क्षमता का प्रतीक है। ग्रामीण जीवन और पर्यावरण संतुलन की रीढ़ माने जाने वाले इस वृक्ष को लोगों में शामिल कर राज्य की पर्यावरणीय विरासत को सलाम किया गया है। राज्य पशु ऊंट मरुधरा की जीवतटा, अटूट धैर्य और मजबूती से आगे बढ़ने के स्वभाव को दर्शाता है। यह राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान का सबसे प्रखर चिह्न है। ऊंट सदियों से राजस्थान के शूरवीरों और राजा-महाराजाओं का न केवल युद्ध के मैदान में विश्वसनीय साथी रहा है, बल्कि मरुधरा के व्यापारिक कारवानों की मुख्य जीवनरेखा भी रहा है। बीकानेर रियासत के महाराजा गंगा सिंह ने विश्व प्रसिद्ध 'गंगा रिसाला' का गठन किया था, जिसने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वैश्विक स्तर पर अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया।

कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में दर्ज बलात्कार की FIR को खारिज करते हुए तथ्य निर्माण की कि 'फैशन' बन चुकी ऐसी फिजूल की मुकदमेबाजी के कारण ही अदालतों में मुकदमों का अंबार लगी है और असली पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी हो रही है।



नक्सलवाद ने लगभग तीन पीढ़ियों तक देश को प्रभावित किया : अमित शाह

तेलंगाना को नक्सल-मुक्त बनाने वाले पुलिस अधिकारी सम्मानित



जगदलपुर/हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश से वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) को समाप्त करने के केंद्र सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि सरकार एक नक्सल-मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

इस उद्देश्य के तहत सोमवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उन पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने नक्सली गतिविधियों के खिलाफ निर्णायक भूमिका निभाई। इस अवसर पर तेलंगाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने राज्य को नक्सल-मुक्त बनाने में

महत्वपूर्ण योगदान दिया। सम्मानित किए गए अधिकारियों में डीजीपी सी.वी. आनंद, राज्य सुरक्षा सलाहकार बी. शिवधार रेड्डी, डीजीपी ऑपरेशंस (आक्टोपस एवं ग्रेहाउंड्स) डॉ. अनिल कुमार तथा मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त एवं पूर्व एसआईबी आईजी सुमति और उनकी एसआईबी टीम शामिल रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि जनवरी 2024 की समीक्षा बैठक में देश से नक्सलवाद समाप्त करने के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की गई थी। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य कठिन माना जा रहा था, लेकिन रणनीति और समन्वित प्रयासों से इसे हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति

हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र को नक्सल-मुक्त घोषित किया जाना देश की लंबी लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद ने लगभग तीन पीढ़ियों तक देश को प्रभावित किया, जिससे कई क्षेत्रों में विकास बाधित हुआ और युवाओं का भविष्य अनिश्चित रहा। उन्होंने यह भी कहा कि देश के लगभग हर राज्य के सुरक्षाकर्मियों ने इस संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि यह सफलता सुरक्षा बलों और सरकारों के संयुक्त प्रयासों, दृढ़ संकल्प और समर्पण का परिणाम है। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भय के कारण भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार चला रही बीआरएस : रामचंद्र राव

प्रदेश अध्यक्ष ने बैठक में आगामी पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा की

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस भय और राजनीतिक हताशा के कारण भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए प्रत्येक आश्वासन का उद्देश्य केवल राष्ट्रहित है तथा मेरा भारत-मेरा योगदान का अर्थ है कि हर नागरिक राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए। रामचंद्र राव ने यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित बैठक में आगामी पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को सगठन सुदृढ़ीकरण, जनसमस्याओं के समाधान तथा बुध स्तर तक पार्टी को मजबूत करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शीघ्र ही देश के प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्व पर्यावरण दिवस के तहत देशभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ



ही केंद्र सरकार ने ऊर्जा संरक्षण पर केंद्रित मेरा भारत-मेरा योगदान अभियान शुरू किया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को इन तीनों विषयों पर सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इस समय तेल संकट से जूझ रही है। कई देशों में ईंधन की कीमतें बढ़ चुकी हैं और कुछ देशों में राशनिंग व्यवस्था लागू करनी पड़ी है। इसके बावजूद केंद्र सरकार ने देशवासियों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए ईंधन की बचत करना समय की आवश्यकता है। रामचंद्र राव ने कहा कि ईरान-अमेरिका तनाव और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण

भविष्य में तेल संकट और गहरा सकता है। ऐसे में लोगों को कारपूलिंग अपनानी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन, मेट्रो और आरटीसी बसों का अधिक उपयोग करना चाहिए तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना चाहिए। जहां संभव हो, वहां वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था भी अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह स्वयं आज इलेक्ट्रिक कार से पार्टी कार्यालय पहुंचे। यह प्रचार के लिए नहीं बल्कि लोगों को जीवनशैली में बदलाव लाने का संदेश देने के लिए था। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी इन उपायों को अपनाने की अपील की। पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण के लिए स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के शासन में देश आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साइबर क्राइम एवं रोकथाम विषय पर व्याख्यान



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इण्डिया द्वारा स्पीकर मीटिंग का आयोजन आरजीए हॉल, आबिडूस में किया गया। अवसर पर विशेष अतिथि किशन राव गडाले, मोहन देवतराज, प्रवीण पतंगे, श्रीमती अश्विनी पतंगे (अध्यक्षा), घनश्याम पतंगे (मंत्री), जवाहर भरडे (कोषाध्यक्ष) एवं समाज के

सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कुचिपुड़ी नृत्य से हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सदीप मुधोलकर द्वारा साइबर क्राइम एवं उसकी रोकथाम विषय पर दिया गया व्याख्यान रहा। उन्होंने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, आज के

डिजिटल युग में आने वाली चुनौतियों तथा ऑनलाइन सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा पतंगे एवं वैष्णवी बगाड़े ने किया। दयानंद पतंगे और घनश्याम पतंगे द्वारा सभी सदस्यों को उपहार दिया गया।

नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू दू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह बैठक भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की सहायता और प्रोत्साहन के लिए आयोजित की गई थी।

बैठक सिकंदराबाद स्थित लायंस लीडरशिप ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित की गई थी। बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। प्रशिक्षक श्रीकांत रियानी, विनीत गेरा, डॉ. राहुल उषाश्री, शिवप्रसाद, एच2एच के

क्षेत्रीय प्रमुख किरण वेमूला और रिमा देब ने कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक का नेतृत्व एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे ने किया। एच2एच परंपरा के अध्यक्ष गोपीचंद और श्रीका की अध्यक्ष पल्लवी अंकुंडी भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।



तेलंगाना में रिकॉर्ड 40.3 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

5.5 लाख किसानों को 6,566 करोड़ एमएसपी भुगतान

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नागरिक आपूर्ति विभाग ने रबी 2025-26 सीजन के दौरान अब तक 40.3 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीद की है। इसके साथ ही सरकार ने 5.5 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत 6,566 करोड़ का भुगतान किया है। अधिकारियों के अनुसार राज्यभर में कुल 8,575 धान खरीद केंद्र सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कुल खरीद में 11 एलएमटी महीन किस्म (सन्नाराकम) और 29 एलएमटी मोटी किस्म (डोडुराकम) धान शामिल है, जो क्रमशः 92 प्रतिशत और 81 प्रतिशत आवक को दर्शाता है। खरीद कार्यों में पैक्स केंद्रों ने 24 एलएमटी धान की खरीद कर अग्रणी भूमिका निभाई, जबकि आईकैपी केंद्रों ने 14 एलएमटी धान की खरीद की। सरकार ने सुचारु परिवहन सुनिश्चित करने के लिए 12,000 वाहनों की तैनाती की है तथा खरीद केंद्रों पर 18.6 करोड़ गनियों के बैग उपलब्ध कराए हैं। सबसे अधिक खरीद वाले शीर्ष पांच जिलों में निजामाबाद, नलगोंडा, कामारेड्डी, सूर्यपेट और पेडावल्लू शामिल हैं। किसान किसी भी सहायता, शिकायत या जानकारी के लिए नागरिक आपूर्ति विभाग के टोल-फ्री हेल्पलाइन 1967 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रजावाणी में सीएमसी को मिले 63 जन-शिकायतें

विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आयोजित साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम 'प्रजावाणी' के तहत सोमवार को साइबराबाद नगर निगम को नागरिकों से कुल 63 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में विभिन्न नागरिक समस्याएं शामिल थीं, जिन्हें संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारियों द्वारा समीक्षा के लिए लिया गया और त्वरित कार्रवाई, निगरानी तथा समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए। विभागवार प्राप्त शिकायतों में टाउन प्लानिंग से 42, इंजीनियरिंग से 10, स्वच्छता से 3, विद्युत विभाग से 2, शहरी जैव विविधता से 2, एंटोमोलॉजी से 1, वित्त एवं प्रशासन अनुभाग से 1, परियोजनाओं से 1 तथा विजिलेंस एवं एनफोर्समेंट से 1 शिकायत शामिल है। प्रशासन ने बताया कि प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट ट्रैकिंग आईडी के साथ उर्ज किया गया है ताकि पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता पर लें, कार्रवाई की नियमित जानकारी अपडेट करें और समाधान तक सतत फॉलोअप सुनिश्चित करें।

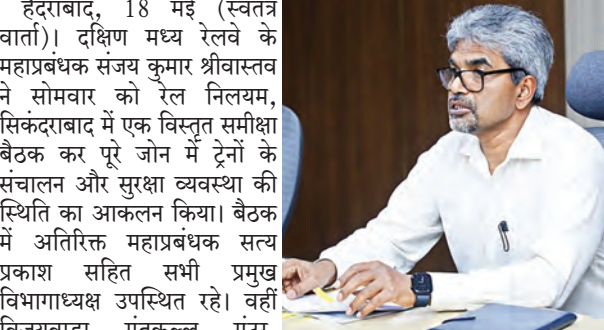
कलेक्टर की त्वरित संवेदनशील पहल से दिवांगजनों को मिली राहत

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला में जिला प्रशासन की एक संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई ने दो दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ी राहत पहुंचाई। जिला कलेक्टर गरिमा अग्रवाल ने तत्परता दिखाते हुए दोनों लाभार्थियों को बैटरी चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई। सुदाला गांव (कोंडारापेट मंडल) के उप्पुला श्रीनिवास और गुडेम गांव (मुस्ताबाद मंडल) के कोमिरे परशुरामूलु सोमवार को आवश्यक कार्य के सिलसिले में समेकित जिला कार्यालय परिसर पहुंचे थे। इस दौरान कलेक्टर ने स्वयं उनकी चलने-फिरने में हो रही कठिनाइयों को देखा और उनसे बातचीत की। जानकारी मिलने पर कि दोनों दिव्यांगजन रोजमर्रा की आवाजाही में गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं, कलेक्टर ने तुरंत जिला कल्याण अधिकारी लक्ष्मीराज को निर्देश देकर बैटरी चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने को कहा।



तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज लोक भवन में, तेलंगाना ईपीसीसीटी परिणामों में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए छात्रा मल्लादी ऋषि को बधाई दी। इस अवसर पर, उन्होंने ऋषि, उनके माता-पिता और शिक्षकों की कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ता की सराहना की।

गर्मी के मौसम में सुरक्षा तैयारियों की एससीआर महाप्रबंधक ने की समीक्षा



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक विस्तृत समीक्षा बैठक कर पूरे जोन में ट्रेनों के संचालन और सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का आकलन किया। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। वहीं विजयवाड़ा, गोकर्नल, गूंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने गर्मी के मौसम को देखते हुए लागू की जा रही सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और आग सुरक्षा (फायर सैफ्टी) पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कर्मचारियों को नियमित रूप से जागरूक करने तथा सभी अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने फायर और स्मोक डिटेक्शन सिस्टम के नियमित रखरखाव तथा ट्रेक किनारे गस्त बढ़ाने पर भी जोर दिया ताकि आग से संबंधित किसी भी घटना को रोका जा सके। रेलवे गैलिंग स्टॉक की सुरक्षा की समीक्षा करते हुए उन्होंने बल्क सामग्री की लोडिंग में निर्धारित मानकों का पालन करने और असमान लोडिंग से बचने के निर्देश दिए। साथ ही पाइंट्स और क्रॉसिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। ट्रेक सुरक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होंने केबल क्षति, ट्रेसपारसिंग की घटनाओं और बैर्रिकेडिंग कार्यों की स्थिति पर चर्चा की। इसके अलावा यार्ड रिमॉडलिंग, सिग्नल अपग्रेडेशन और पुलों पर पाथवे निर्माण जैसी चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

'नेपाली गिरोह' के शक में युवक की पिटाई, जांच में निकला निर्दोष

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। घाटकेसर के एक रिहायशी इलाके में रविवार रात संदिग्ध रूप से घूम रहे एक व्यक्ति की स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर पिटाई कर दी। लोगों को शक था कि वह कथित नेपाली गिरोह का सदस्य है। यह घटना पोचराम आडैठी कॉरिडोर पुलिस थाना क्षेत्र की साई तेजा कॉलोनी, यमनमपेट में हुई। पुलिस के अनुसार आधी रात के करीब कॉलोनी के लोगों ने एक व्यक्ति को इलाके में घूमते देखा, जिसके बाद उन्हें उस पर संदेह हुआ। स्थानीय लोगों ने पहले पुलिस को सूचना दी और फिर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति को भीड़ से बचाया और पूछताछ की। जांच में उसकी पहचान असम निवासी शांताराम बसुमत्तारी (34) के रूप में हुई, जो एक निजी कंपनी में सहायक के तौर पर काम करता है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उसका किसी भी आपराधिक गिरोह से कोई संबंध नहीं है।

केरलम मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे रेवंत रेड्डी और भट्टी विक्रमार्का



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने सोमवार को केरलम के नए मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। यह समारोह तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहां केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आलैंकर

ने सतीशन को उनके 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा सांसद राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, वामपंथी

दलों के नेता तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि केरलम पहुंचने पर यह आयोजन मित्रों और साथियों के मिलन जैसा महसूस हुआ। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखचिंदर सिंह सुखु, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार तथा उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का सहित कई नेता दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि उत्साह और ऊर्जा वातावरण में स्पष्ट रूप से महसूस की जा सकती है, और यह ऊर्जा आगे भी हमारे साझा लक्ष्य को मजबूत करेगी, जब हमारे नेता राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

ई-गवर्नेंस से नागरिक सेवाओं को और बेहतर बनाने पर जोर : टीवी सोमनाथन

कैबिनेट सचिव ने विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिवों को दिए निर्देश



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को सरल ई-गवर्नेंस के माध्यम से जनता को अधिक प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह निर्देश केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन ने विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिवों को दिए। सोमवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट सचिव ने कहा कि तमिलनाडु सरकार द्वारा अपनाया जा रही सिंपलवर्क ई-गवर्नेंस प्रणाली को अन्य राज्य भी अपनने-अपने

नियमों के अनुसार लागू कर नागरिक सेवाओं को सरल और पारदर्शी बना सकते हैं। इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने राज्य में लागू ई-गवर्नेंस प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में विभिन्न विभागों की सेवाएं ऑनलाइन डैशबोर्ड के माध्यम से पारदर्शी रूप से जनता को उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें नगर प्रशासन, उद्योग, शिक्षा, ऊर्जा और राजस्व विभाग शामिल हैं। कैबिनेट सचिव ने तेलंगाना की

ई-गवर्नेंस प्रणाली की सराहना की। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि तमिलनाडु मॉडल का अध्ययन कर ऐसे व्यवस्थाएं विकसित की जाएं, जिससे जनता पर किसी प्रकार का अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े और सेवाएं अधिक सरल हो सकें। बैठक में विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल, मुख्य सचिव योगिता राणा, शीखा गोयल, सचिव रघुनंदन राव, ई. श्रीधर, अनिता रामचंद्रन, हाउसिंग एमडी वी.पी. गौतम, संपर्क सीईओ दिव्या सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएमडीसी में हिंदी वाक् प्रतियोगिता आयोजित



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपक्रम में 18 मई को एनएमडीसी, हैदराबाद ने अंतर उपक्रम हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता हिंदीभाषी वर्ग के प्रतिभागियों के लिए ऊर्जा संकट और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता एवं अन्य भाषा- भाषी वर्ग के प्रतिभागियों के लिए ग्रीन ऑफिस की अवधारणा और उसका महत्व विषय पर आयोजित थी। प्रतियोगिता में विभिन्न उपक्रमों के 38 कर्मिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मानव

संसाधन) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. राजनारायण अवस्थी, सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम) एवं प्रबंधक (राजभाषा), ईसीआईएल, हैदराबाद, निर्णायक गण श्रीमती कुंजन त्रिपाठी, सहायक निदेशक (राजभाषा), एनएफसी, हैदराबाद एवं डॉ. सौरभ कुमार, हिंदी अधिकारी, आईआईसीटी, हैदराबाद तथा पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित श्रीमती एस. कविता रानी, संयुक्त महाप्रबंधक, राइट्स भी उपस्थित थे।

मंचासीन अतिथियों तथा नराकास की कार कमेटी के सदस्यों, विभिन्न उपक्रमों से आए हिंदी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सुधांशु वर्मा ने अपने संदेश में प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि उनकी स्वयं की मातृभाषा हिंदी है तथा उन्हें दैनिक बोलचाल और कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने पर गर्व का अनुभव होता है। देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा प्रतियोगिता के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'वैश्विक शांति की ...

उन्होंने कहा, पिछले वर्ष, भारत और यूरोपियन ट्रि डैट एसोसिएशन ने, एक ऐतिहासिक ट्रेड इनक्रेनेनामिक पार्दर्शिन अग्रिमन्ट लागू किया। यह अग्रिमन्ट भारत और नावों के बीच, साझा विकास और प्रार्सेरिटी सुनिश्चित करने का ब्लू प्रिन्ट है। इस अग्रिमन्ट में, अगले पंद्रह वर्ष में भारत में, 100 बिलियन डॉलर इनवेस्टमेंट, और 10 लाख नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य है। आज, हम दोनों ने, इस अग्रिमन्ट के वादों को क्रियान्वित के लिए, कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

पिएम मोदी ने कहा, नावों आर्कटिक रीजन का एक महत्वपूर्ण देश है। आर्कटिक और पोलर रिसर्च में हमारा लंबे समय से सहयोग रहा है। भारत के आर्कटिक रिसर्च स्टेशन हिमाद्रि के ऑपरेशन के लिए हम नावों आभारी है। इसरो और नावों स्पेस एजेंसी के बीच आज हो रहा एमओयू, हमारे स्पेस को-ऑपरेशन को भी नए आयाम देगा। इन सभी क्षेत्रों में गहरे सहयोग से हमारे वैज्ञानिक क्लाइमेट चेंज को समझने, फ्रेजाइल एकोसिस्टम को प्रोटेक्ट करने, और मानव के भविष्य को सुरक्षित करने में

योगी बोले-सड़क ...

योगी ने यूपी के विकास और निवेश का जिक्र किया। कहा- पहले प्रदेश की पहचान कड़ा और बम से होती थी, लेकिन अब यहां ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। नकारात्मक माहौल होगा तो 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' पैदा होगा। सरकारात्मक माहौल होगा तो 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' बनेगा। यूपी में तेजी से निवेश आ रहा है। रोजगार बढ़ रहे हैं। यूपी जल्द 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी

बनेगा। योगी ने कहा- यूपी में पहले महिलाएं दिन में भी बाहर निकलने से डरती थीं। अब वे नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं। सुरक्षित घर लौट रही हैं। अब कोई बेटी से छेड़खानी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा- यूपी अब 'बीमारू राज्य' नहीं, बल्कि रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है। पिछले 6 साल से यूपी लगातार रेवेन्यू सरप्लस में है। अब प्रदेश को किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती। यूपी के पास कृषि, इफ्रास्ट्रक्चर और युवाओं की ताकत जैसी अपार संभावनाएं हैं। सरकार सभी 75 जिलों के सुललित विकास पर काम कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com



सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय राहुल का 8वां 500+ रन वाला सीजन, यशस्वी के 4 हजार टी-20 रन पूरे



नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 के 62वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान ने 193 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

वैभव सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। वहीं, केएल राहुल ने आईपीएल में 8वीं बार 500+ रन पूरे किए। यशस्वी जायसवाल ने टी-20 क्रिकेट में अपने 4 हजार रन पूरे किए। राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में 44 छक्के लगा चुके हैं। वे किसी एक IPL सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा का 42 छक्कों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा।

वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन तीसरी बार अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। आईपीएल इतिहास में एक सीजन में तीन बार पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है। उनसे पहले शाहरुख खान ने 2023, सुनील नरेन 2025, देवदत्त पडीक्कल 2026 में ऐसा कर चुके हैं। आईपीएल में यह 8वीं बार रहा, जब वैभव ने अपनी पारी की शुरुआत सिक्स

IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर्स		
सिक्स	बल्लेबाज	सीजन
44	वैभव सूर्यवंशी	2026
42	अभिषेक शर्मा	2024
39	श्रेयस अय्यर	2025
38	विराट कोहली	2016
38	विराट कोहली	2024
38	सूर्यकुमार यादव	2025

से की। केएल राहुल ने आईपीएल में 8वीं बार 500 से ज्यादा रन पूरे किए। वह अब IPL इतिहास में सबसे ज्यादा 500+ रन वाले सीजन खेलने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मामले में सिर्फ विराट कोहली उनसे आगे हैं।

राहुल ने लगातार तीसरे आईपीएल सीजन में 500+ रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 2024, 2025 और 2026 में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले राहुल 2018 से 2022 तक लगातार 5 सीजन 500+ रन बना चुके हैं। दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने राजस्थान के खिलाफ एक और बड़ी पारी खेलते हुए IPL में अपना 9वां 50+ स्कोर बनाया। इसके साथ ही वह राजस्थान के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने RRR के खिलाफ 8 बार 50+ स्कोर बनाए थे। राहुल ने यह उपलब्धि सिर्फ 19 पारियों में हासिल की। राहुल आईपीएल इतिहास में 50 बार 50+ स्कोर बनाने वाले सिर्फ पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में विराट कोहली सबसे आगे हैं, जिनके नाम 76 फिफ्टी प्लस स्कोर हैं।

राहुल और अभिषेक पोरेल ने राजस्थान रॉयल्स के

खिलाफ 105 रन की नाबाद साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। यह राजस्थान के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की चौथी 100+ रन की साझेदारी रही। राजस्थान रॉयल्स के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने टी20 क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए। उन्होंने यह उपलब्धि 129 पारियों में हासिल की। वह सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। वह आईपीएल में आरआर के खिलाफ 4 विकेट लेने वाले दूसरे दिल्ली तेज गेंदबाज बने। इससे पहले उमेश यादव ने 2013 में इसी मैदान पर 4/24 का स्पेल डाला था। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पרגम ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। यह उनके आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी रही। उन्होंने 13.2 ओवर में अक्षर पटेल की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

दिल्ली ने पहले 6 ओवर में बिना विकेट खोए 72 रन बनाए। यह आईपीएल 2026 में टीम का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। पूरे सीजन में यह सिर्फ तीसरी बार रहा, जब दिल्ली ने पावरप्ले में कोई विकेट नहीं गंवाया। खास बात यह है कि दोनों मौके राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आए। दिल्ली कैपिटल्स की खराब फील्डिंग इस मैच में भी देखने को मिली। टीम आईपीएल 2026 में अब तक 22 कैच छोड़ चुकी है। दिल्ली की कैचिंग एफिशिएंसी 63.3% रही है, जो इस सीजन सभी टीमों में सबसे खराब है।

राजस्थान रॉयल्स ने शुरुआती 6 ओवर में 75 रन बनाए। यह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल में राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले आरआर ने 2018 में इसी मैदान पर बिना विकेट गंवाए 79 रन बनाए थे।

सिनर ने इटालियन ओपन जीता: करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बने; जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

रोम, 18 मई (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर वन जैनिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के सामने इटालियन ओपन का खिताब जीता। 24 साल के सिनर ने रोम फाइनल में नॉर्वे के कैस्पेर रुड को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने टेनिस इतिहास के सभी 9 एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतकर 'करियर गोल्डन मास्टर्स' पूरा कर लिया।

टेनिस इतिहास में सिनर से पहले यह उपलब्धि सिर्फ 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने हासिल की थी। सिनर ने इस सीजन में लगातार छठा मास्टर्स खिताब जीतकर पुरुष टेनिस दूर पर अपना दबदबा और मजबूत किया है।

इटली के जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच से काफी कम उम्र में यह मुकाम हासिल किया। जोकोविच ने 2018 में सिनिसिनाटी ओपन जीतकर 31 साल की उम्र में पहली बार 'गोल्डन मास्टर्स' पूरा किया था। वहीं, सिनर ने यह उपलब्धि 24 साल की उम्र में हासिल की।

सिनर ने 2023 में कनाडाई ओपन के रूप में अपना पहला मास्टर्स खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूँ, पिछला ड्राई महीना मेरे लिए बेहतरीन रहा है। फाइनल मैच में काफी दबाव था, लेकिन यह सीखने की एक प्रक्रिया है। मैं 24 साल की उम्र में सबकुछ नहीं सीख सकता।'

जैनिक सिनर शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस सीजन में



इंडियन वेल्स, मियामी, मॉंटे कार्लो, मैन्रिड और रोम मास्टर्स के खिताब जीते हैं। अब उनका अगला लक्ष्य शुरू होने वाला फ्रेंच ओपन (रोलांड गैरौस) है।

चार ग्रैंड स्लैम जीत चुके सिनर अगर क्ले कोर्ट पर होने वाला फ्रेंच ओपन भी जीतते हैं, तो वे 'करियर ग्रैंड स्लैम' पूरा करने वाले दुनिया के 10वें पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। कार्लोस अल्काराज की चोट और जोकोविच के खराब फॉर्म के कारण सिनर को इस बार सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

रोम जीतने के बाद सिनर टेनिस के 16 'बड़े खिताब' जीत चुके हैं। 25 साल की उम्र से पहले खिताब जीतने की

धोनी एनएसजी कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे मशीनगन चलाई, पिस्टल से निशाना भी लगाया, कमांडोज से पूछा- फिट लग रहा हूं न



इसमें धोनी के खेलने की संभावना है।

टेरिटरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं धोनी

एमएस धोनी टेरिटरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। वे पैराशूट रेजीमेंट की 106 पैरा टेरिटरियल आर्मी बटालियन का हिस्सा हैं। उन्होंने कश्मीर में भारतीय सेना के साथ दो हफ्ते की ट्रेनिंग भी की। बाद में उनका बूट पॉलिश करते हुए फोटो भी सामने आया था।

धोनी और सैन्य बलों का पुराना नाता

2011: टेरिटरियल आर्मी की पैराशूट रेजीमेंट में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक से सम्मानित किया गया। 2015: आगरा में सैन्य एयरक्राफ्ट से 5 अनिवार्य जंप पूरी कर क्वालिफाइड पैराट्रूपर बने।

2018: जब राष्ट्रपति भवन में पद्म भूषण सम्मान मिला तो धोनी सेना की यूनिफॉर्म पहनकर मार्च करते हुए अवॉर्ड लेने पहुंचे। 2019: वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से ब्रेक लेकर जम्मू-कश्मीर में 106 इन्फैंट्री बटालियन के साथ 2 हफ्ते बिताए, जहां उन्होंने गार्ड ड्यूटी और पेट्रोलिंग भी की।

चेन्नई को आज सनराइजर्स हैदराबाद के साथ चेपक स्टेडियम में खेलना है। उम्मीद लगाई जा रही है कि धोनी इसमें खेल सकते हैं। हालांकि, अभी तक धोनी और चेन्नई के मैनेजमेंट की तरफ से इस तरह के कोई संकेत नहीं आए हैं। फ्रेंचाइजी की ओर से कहा गया था कि वे फिर से चोटिल हो गए और इसकी वजह से खेलने में देरी हो रही है।

उनकी रफ्तार 'विग श्री' फेडेरर, नडाल और जोकोविच जैसी है:

नोवाक जोकोविच: 24 साल 9 महीने की उम्र तक 17 बड़े खिताब जीते थे। रोजर फेडेरर: इसी उम्र तक 19 बड़े खिताब जीत चुके थे। राफेल नडाल: इस उम्र तक 28 बड़े खिताब के साथ सबसे आगे थे। हालांकि, जानकार मानते हैं कि सिनर के दौर में 'विग श्री' जैसा कड़ा मुकाबला नहीं है, जिससे उनकी राह कुछ आसान हुई है। इस सीजन के आंकड़े सिनर की बादशाहत दिखाते हैं। एटीपी रैंकिंग में वह 14,700 अंकों के साथ टॉप पर हैं, जबकि कार्लोस अल्काराज के 11,960 अंक हैं। सिनर ने इस सीजन में 38 में से 36 मैच जीते हैं। उन्हें सिर्फ नोवाक जोकोविच और जाकूब मेन्सिका ही हरा सके हैं।

1990 में मास्टर्स फॉर्मेट शुरू होने के बाद सिनर पहले खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने कैलेंडर वर्ष के शुरुआती छह मास्टर्स इवेंट्स में 29-0 रिकॉर्ड बनाया है। अक्टूबर 2025 में शंघाई मास्टर्स में चोट के कारण मैच छोड़ने के बाद से वे किसी भी मास्टर्स टूर्नामेंट में नहीं हारे हैं।

ATP मास्टर्स, जिसे 2009 से ATP मास्टर्स 1000 कहा जाता है, नौ टेनिस टूर्नामेंट्स की सीरीज है। इसकी शुरुआत 1990 में हुई थी। ग्रैंड स्लैम के बाद यह टेनिस का टॉप टियर टूर्नामेंट माना जाता है। ग्रैंड स्लैम जीतने पर 2000 और मास्टर्स जीतने पर 1000 रैंकिंग पॉइंट मिलते हैं।

रोनाल्डो की टीम एशियन चैंपियंस लीग 2 का फाइनल हारी

अल नासिर एक भी गोल नहीं कर सकी, गाम्बा ओसाका ने 1-0 से हराया

रियाद, 18 मई (एजेंसियां)। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासिर एशियाई चैंपियंस लीग 2 का फाइनल हार गई। जापान के क्लब गाम्बा ओसाका ने उसे 1-0 से हराया।

मैच में ज्यादा समय गेंद पर पोजिशन और कई मौके मिलने के बावजूद रोनाल्डो और उनके साथी एक भी गोल नहीं कर सके। दिसंबर 2022 में अल नासिर से जुड़े रोनाल्डो के पास हाफटाइम से पहले बराबरी का सुनहरा मौका था, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका क्लोज-रेंज हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया। मैच का इकलौता गोल फर्स्ट हाफ में गाम्बा ओसाका के तुर्की फॉरवर्ड डेनिस हैम्ट ने किया। उन्होंने 30वें मिनट में डी-एरिया के अंदर से लो-शॉट मारकर गेंद नेट के निचले कोने में पहुंचाई। लंबी वीएआर जांच के बाद गोल को सही माना गया।

हाफटाइम पर चोटिल होकर बाहर हुए मैच विनर हैम्ट ने कहा, 'मैं गोल करके टीम की मदद करने से

बेहद खुश हूँ। दूसरी छमाही में बेंच पर बैठकर मैच

देखना काफी तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे अपने साथियों पर गर्व है जिन्होंने शानदार डिफेंस किया। अब जयन मनाने का समय है।' चेल्सी से पिछले साल जुलाई में अल नासिर से जुड़े जोआओ फेलिक्स ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले बॉक्स के बाहर से दमदार लो-शॉट लिया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकराकर लौट आई।

यहां अल नासिर की किस्मत ने साथ नहीं दिया। यह हफ्ता अल नासिर के फैंस के लिए निराशाजनक रहा। 5 दिन पहले टीम 2019 के बाद पहली बार सऊदी प्रो लीग जीतने के करीब थी, लेकिन इंजरी टाइम में गोल खाने से खिताब का फैसला आखिरी मैच-डे तक पहुंच गया। हालांकि, अल नासिर के पास अभी भी सऊदी प्रो लीग जीतने का मौका है। टीम अंक तालिका में अल-हिलाल से 2 अंक आगे है। गुरुवार को दमाक के खिलाफ आखिरी मुकाबला जीतकर वह टॉपी अपने नाम कर सकती है।

मैकग्रेगर और होलोवे पहली बार अगस्त 2013 में बोस्टन में भिड़े थे। उस समय दोनों ही यूएफसी में अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे। उस मुकाबले में मैकग्रेगर ने सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की थी, जबकि फाइट के दौरान उनका एसीएल भी चोटिल हो गया था। दूसरी तरफ होलोवे बाद में यूएफसी इतिहास के सबसे महान फेडरवेट फाइटर्स में शामिल हुए। अब दोनों फाइटर्स एक दशक बाद फिर आमने-सामने होंगे, लेकिन इस बार परिस्थितियां और वजन वर्ग दोनों अलग होंगे। यह मुकाबला वेल्टरवेट कैटेगरी में आयोजित किया जाएगा।

मैकग्रेगर की वापसी की खबर से एमएम्फ फैस में जरूरदस्त उत्साह है। उनकी लोकप्रियता और आक्रामक अंदाज ने उन्हें यूएफसी का सबसे बड़ा सुपरस्टार बनाया है।

बार्सिलोना ने ला लीग में सभी घरेलू मैच जीते

38 मैचों के सीजन में सभी 19 होम मुकाबले जीतने वाली पहली टीम बनी

नोउ कैंप, 18 मई (एजेंसियां)। स्पैनिश चैंपियन बार्सिलोना ला लीग में अपने सभी होम मैच जीतने वाली 11वीं टीम बनी है। 38 मैचों वाले सीजन में ऐसा करने वाली वह पहली टीम है। इससे पहले 1985-86 में रियल मैड्रिड ने अपने सभी 17 होम मैच जीते थे। वहीं, बार्सिलोना ने 1959-60 सीजन में अपने 15 होम मैच जीते थे।

बार्सिलोना ने रियल बेटिस को 3-1 से हराया। ला लीगा इतिहास में इससे पहले कोई भी टीम 38 मैचों के फॉर्मेट में अपने सभी होम मैच नहीं जीत सकी थी।

मैनेजर हंसी फ्लिक की टीम बार्सिलोना पिछले रियल मैड्रिड को हराकर चैंपियन बनी थी। रियल बेटिस के खिलाफ राफिन्या ने दो गोल किए, जबकि तीसरा गोल जोआओ कार्सेलो ने किया।

मैच के 28वें मिनट में राफिन्या ने फ्री-किक से गोल कर बार्सिलोना को 1-0 की बढ़त



दिलाई। फिर 62वें मिनट में हेक्टर बेलेरिन की खराब पास का फायदा उठाकर उन्होंने दूसरा गोल किया।

इसके बाद गावी के फाउल पर रियल बेटिस को पेनल्टी मिली, जिसे इस्को ने गोल में बदला। हालांकि, मैच के आखिर में जोआओ कार्सेलो ने 20 गज दूर से शानदार शॉट लगाकर बार्सिलोना को 3-1 से जीत पक्की कर दी।

बार्सिलोना के लिए यह रिकॉर्ड इस्लिए भी खास है क्योंकि टीम ने पूरे सीजन एक ही मैदान पर

क्रिकेट फुटबॉल नहीं, यहां कप्तान ही बॉस



में अपने खेलने पर अपडेट नहीं दिया, जिसमें चेन्नई का सामना हैदराबाद से होगा। यह टीम का घरेलू मैदान पर इस सीजन का आखिरी लीग मैच है। आयोजन के बाद धोनी ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में प्रेक्टिस की। वे थोड़ी देर से पहुंचे, पैड पहने, वॉर्म-अप किया और

सीधे नेट्स पर चले गए। कप्तानी में अपनी अलग पहचान बनाएं ऋतुराजधोनी ने कहा कि गायकवाड को किसी की नकल करने के बजाय अपना स्टाइल विकसित करना चाहिए। हां, वे मेरी कप्तानी के तरीके से कुछ चीजें सीखेंगे, लेकिन हर व्यक्ति अलग होता है। तुम्हें जो भी अपना स्टाइल सही लगे, उसे अपनाने की पूरी आजादी है।

सलाह मानने की कोई मजबूरी नहींधोनी ने गायकवाड से कहा कि वे मदद के लिए हमेशा खड़े हैं। मैं हमेशा खुलकर बात करूंगा, लेकिन जरूरी नहीं कि मैं जो कहूँ, तुम वही करो। मान लो मैं तुम्हें 10 सलाह दूँ और तुम एक भी न मानो, तब भी ठीक है। जब आप लीडर होते हैं, तो जिम्मेदारी और फैसले आपके ही होने चाहिए।'

बड़ा होकर माता-पिता से किया वादा निभाया स्कूटर बनाएगा. जब 7 साल का हुआ तो उसके सपने बड़े हो गए. अब वो

कारें डिजाइन करने की बातें करता था. वो गर्व से कहता था कि कार का नाम एमएके रखेगा. एमएके से यहां मतलब मायस अनिल कुंबले से है.

अनिल कुंबले की पत्नी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि माता-पिता के तौर पर, हम बचपन के सपनों पर मुस्कुराते हैं. बस ये सोचते हैं कि पता नहीं आगे क्या होगा? लेकिन आज, उसे इंजीनियर के रूप में ग्रेजुएट होते देखकर, मुझे एक खूबसूरत बात का एहसास होता है, कभी-कभी बच्चे दुनिया से बहुत पहले ही जान लेते हैं कि वे क्या हैं? चेतना कुंबले ने कहा कि दिल में एक मकसद लिए अपने बेटे को इंजीनियर बनते देखना मेरे जीवन के सबसे बड़े सुखों में से एक है. मुझे उस पर गर्व है. जिस नन्हे लड़के ने कहा था, "मैं इंजीनियर बनूंगा", उसने अपना वादा निभाया.

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। किसी की उम्र बीत जाती है खुद को जानने में.

ये समझने में कि उसे जिंदगी में करना और बनना क्या है? वहीं कोई बचपन में ही अपनी जिंदगी का मकसद ढूंढ़ लेता है? वो ये तय कर लेता है कि उसे आगे चलकर बनना क्या है? भारत के दिग्गज लेग स्पिनर रहे अनिल कुंबले के बेटे मायस की कहानी भी ऐसी ही है. मायस कुंबले ने 3 साल की उम्र में ठान लिया था कि उन्हें बनना क्या है? वो अपनी जिंदगी में करना क्या चाहते हैं? अपने मकसद के बारे में उन्होंने तभी अपने माता-पिता को बता दिया था. अनिल कुंबले और उनकी पत्नी चेतना को तब तो अपने बेटे की बातों पर यकीन नहीं हुआ. लेकिन, आज जब बड़े होकर बेटे ने वादा पूरा किया तो दोनों गर्व से फूले नहीं समा रहे.

अनिल कुंबले के बेटे मायस को इंजीनियर बनना था, ये बात 3 साल की छोटी उम्र में ही उसने अपने दिमाग में ना सिर्फ बैठा ली थी बल्कि



पेयजल संकट को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन, सरकार पर लापरवाही का आरोप

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस की महिला कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कुथबुल्लापुर स्थित आईडीपीएल के पास एचएमडब्ल्यूएसएसबी कार्यालय के सामने खाली पानी के घड़े लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हैदराबाद और आसपास के इलाकों में बढ़ते पेयजल संकट के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। बीआरएस व्हिप केपी विवेकानंद के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि कई कॉलोनियों में पानी की भारी कमी है और पाइपलाइन में पर्याप्त दबाव नहीं होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मीडिया से बातचीत करते हुए केपी विवेकानंद ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने जलाशयों के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर और घरेलू जल कनेक्शनों का विस्तार कर पेयजल समस्याओं का समाधान किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार जल वितरण व्यवस्था को सही ढंग से संभालने में विफल रही है, जिसके कारण लोगों को निजी टैंकरो पर निर्भर होना पड़ रहा है।

चार दशकों बाद माओवाद के पतन का दौर देखने को मिल रहा है : डीजीपी

माओवाद विरोधी अभियान में एसआईबी की सराहना



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी. वी. आनंद ने स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच (एसआईबी) का दौरा कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) विजय कुमार तथा आईजीपी इंटेलिजेंस एवं एसआईबी कार्तिकेय भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान डीजीपी ने तेलंगाना में वर्तमान माओवादी गतिविधियों की समीक्षा करते हुए एसआईबी द्वारा चलाए जा रहे एंटी-एक्सट्रीमिस्ट अभियानों और खुफिया पहलों का आकलन किया। उन्होंने राज्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में एसआईबी की भूमिका की सराहना की।

डीजीपी ने वामपंथी उग्रवाद के

खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तथा भूमिगत भाकपा (माओवादी) कैडरों के बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण कराने में एसआईबी अधिकारियों और कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की। वर्ष 2024 से 2026 के बीच तेलंगाना में कुल 820 भूमिगत माओवादी कैडरों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इनमें केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) 04, राज्य समिति सदस्य (एससीएम) 22, क्षेत्रीय समिति सदस्य (आरसीएम) 01, डिविजनल कमेट्री सदस्य (डीवीसीएम) 45 तथा एरिया कमेट्री सदस्य (एसीएम) 173 शामिल हैं। इन आत्मसमर्पणों के दौरान कुल 334 हथियार भी जमा कराए गए, जिनमें 58 एके-47 राइफलें, 48 इसास राइफलें, 50

एसएलआर, 06 एलएमजी तथा अन्य अत्याधुनिक हथियार शामिल हैं।

डीजीपी ने कहा कि एसआईबी ने खुफिया आधारित अभियानों, विश्वास निर्माण उपायों और पुनर्वास पहलों के माध्यम से तेलंगाना में सशस्त्र माओवादी आंदोलन को प्रभावी रूप से कमजोर करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने विशेष रूप से भूमिगत माओवादी कैडरों को हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में एसआईबी की सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों के पुनर्वास एवं सामाजिक पुनर्स्थापन की समीक्षा भी की और आश्वासन दिया कि तेलंगाना पुलिस विभाग उनके

पुनर्वास और समाज में पुनः एकीकरण के लिए हरसंभव सहायता जारी रखेगा। डीजीपी ने कहा कि एसआईबी को आत्मसमर्पण कर चुके कैडरों पर लगातार नजर रखनी चाहिए तथा उनके कौशल विकास, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, नौकरी उपलब्ध करने और समाज में समुचित पुनर्वास एवं एकीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। बदलते सुरक्षा परिदृश्य पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि चार दशकों बाद माओवाद के पतन का दौर देखने को मिल रहा है। ऐसे में एसआईबी को उभरती चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालते हुए पुलिसिंग इंटेलिजेंस में व्यापक भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, बदलते सामाजिक व्यवहार और युवाओं पर उसके प्रभाव का गंभीर अध्ययन कर सार्वजनिक शांति एवं कानून व्यवस्था पर पड़ने वाले असर को समझना आवश्यक है, ताकि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के अवैध कारोबार का भंडाफोड़



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त टास्क फोर्स, शमशाबाद जोन की टीम ने प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शनों की अवैध खरीद-बिक्री में सलिस एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी डेयरी किसानों को बेचता था इंजेक्शन

वर्ष), निवासी मंखाल गांव, गंगारेड्डी जिला के रूप में हुई है, जो डेयरी व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। इस मामले में मुख्य आपूर्तिकर्ता खालिद अली उर्फ चतर सिंह तथा एक अन्य ग्राहक सुरेश फरार हैं। जानकारी के अनुसार, आरोपी लगभग 15 वर्षों से डेयरी फार्म चला रहा था तथा 5—6 वर्ष पूर्व वह खालिद अली के संपर्क में आया।

इसके बाद वह प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन कम कीमत पर खरीदकर स्थानीय डेयरी किसानों को अधिक दामों पर बेचने लगा।

यह इंजेक्शन पशुओं में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए अवैध रूप से उपयोग किए जाते थे। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी खालिद अली गुजरात से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित इंजेक्शन लाकर हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति करता था। वहीं, आरोपी सुरेश नियमित रूप से इन इंजेक्शनों का उपयोग अपने डेयरी पशुओं में करता था। टास्क फोर्स की शमशाबाद टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और जब सामग्री के साथ उसे आगे की कार्रवाई के लिए पहाड़िशरीफ

पुलिस को सौंप दिया। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शनों के दुरुपयोग से पशुओं में प्रजनन संबंधी समस्याएं, मास्टाइटिस और प्राकृतिक क्षमता में कमी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वहीं, दूध के माध्यम से मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। इस कार्रवाई में निरीक्षक के. वेंकट रेड्डी, एसआई एस. शेणु, के. नागराजु तथा टास्क फोर्स टीम के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

क्रीड़ा एवं युवा समाह का शुभारंभ मंत्रियों ने किया वॉकथॉन का उद्घाटन



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालन प्रगति योजना के तहत राज्यभर में क्रीड़ा एवं युवा समाह का भव्य शुभारंभ

किया गया। यह आयोजन 18 मई से 23 मई तक पूरे राज्य में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। एलबी स्टेडियम टेनिस कॉम्प्लेक्स

तेलंगाना में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी आपूर्ति सामान्य

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों का दावा

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने स्पष्ट किया है कि तेलंगाना में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और पर्याप्त है तथा वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कंपनियों ने राज्य में किसी भी तरह की कमी की अफवाहों को खारिज किया है। राज्य स्तरीय समन्वयक के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां आपूर्ति स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने तथा डिलीवरी तेज करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही हैं। मई के पहले पखवाड़े में राज्य में पेट्रोल की आपूर्ति में 14.2 प्रतिशत और डीजल की आपूर्ति में 15.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। ओएमसी ने बताया कि गर्मी के मौसम के कारण घरेलू एलपीजी बुकिंग में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है और उपभोक्ताओं द्वारा किसी प्रकार की घबराहट में घुके नहीं की जा रही है। इस महीने अब तक तेलंगाना में 20.06 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की जा चुकी है, जो सामान्य स्तर के अनुरूप है।

कंपनियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे एलपीजी बुकिंग के लिए एसएएस, मिड कॉल, आईबीआरएस और ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करें। साथ ही डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएस) प्रणाली का पालन करने की भी सलाह दी गई है, जो ओटीपी आधारित डिलीवरी व्यवस्था है और गैस सिलेंडर की सही उपभोक्ता तक डिलीवरी सुनिश्चित करती है। तेलंगाना में अब तक 95 प्रतिशत से अधिक डीएस अनुपालन दर्ज किया गया है और इसे 100 प्रतिशत तक ले जाने के प्रयास जारी हैं। ओएमसी ने जनता से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करें तथा अफवाहों और फर्जी खबरों से बचें।

बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने किया सबस्टेशन का घेराव

आदिलाबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले स्थित देगामा गांव में सोमवार तड़के बिजली की अनियमित आपूर्ति से नाराज ग्रामीणों ने बिजली सबस्टेशन का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। तेम्बी, मजाराम, धरमापुर, अनंतपुर और चिनमिया गांवों के निवासी सुबह करीब 3 बजे सबस्टेशन पहुंचे और अधोषित बिजली कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगातार बिजली बाधित होने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रही, जिसके कारण उन्हें पूरी रात जागरूक बितानी पड़ी। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली नहीं होने से कुओं से पानी निकालने में भी काफी दिक्कतें हुईं। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे इस मुद्दे को जिला कलेक्टर राजर्षि शाह के सामने उठाएंगे।

तेलंगाना में भीषण गर्मी का कहर, कई जिलों में पारा 44 डिग्री के पार



हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गर्मी लगातार लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। राज्य के लगभग सभी जिले भीषण लू की चपेट में हैं और तापमान तेजी से बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार रविवार से सोमवार सुबह 8:30 बजे तक कई जिलों में अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। लगातार

सूखे और बारिश नहीं होने के कारण लोगों को दिन के साथ-साथ रात में भी राहत नहीं मिल रही है। रात का तापमान भी सामान्य से करीब 3.5 डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है, जिससे उमस और गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। राज्य के उत्तरी और पश्चिमी जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यहां लगातार तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से

राज्यपाल ने ग्रुप-1 परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टरों से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज लोक भवन में डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 44 ग्रुप-1 परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टरों से मुलाकात की। इन अधिकारियों का नेतृत्व उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. शांति कुमारी कर रही थीं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने युवा अधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और सभी से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। उन्होंने सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। प्रशिक्षणाथियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि भविष्य के



प्रशासनिक नेतृत्वकर्ताओं के रूप में उनकी जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, आप सभी को जनता की सेवा ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ करनी होगी। सार्वजनिक सेवा

केवल अधिकार का पद नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन अधिकारियों की प्रतिबद्धता सुशासन और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

‘मेरा भारत, मेरा योगदान’ अभियान को आगे बढ़ाएगी भाजपा : राव

इलेक्ट्रिक वाहन से राज्य भाजपा कार्यालय पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री रेंद्र मोदी की ओर से देशवासियों से की गई सात अपीलों के समर्थन में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मेरा भारत, मेरा योगदान अभियान के तहत इलेक्ट्रिक वाहन से राज्य भाजपा कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश दिया।

रामचंद्र राव ने नागरिकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री की अपीलों का सक्रिय रूप से पालन करने का आह्वान किया।

उन्होंने पेट्रोल, डीजल और गैस की बचत करने, सार्वजनिक परिवहन और कारपूलिंग को बढ़ावा देने, अनावश्यक विदेशी यात्राओं को टालने, ‘वोकल

फॉर लोकल’ को समर्थन देने, एक वर्ष तक सोने की खरीद से बचने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मेरा भारत, मेरा योगदान की भावना के साथ तेलंगाना भाजपा इस संदेश को प्रत्येक बूथ, प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक पहुंचाएगी।

ओयू सिटी पुलिस ने व्यक्ति की जान बचाई आत्महत्या की कोशिश कर रहा था मल्लेश



पुलिस स्टेशन के निरीक्षक एम. महेश को अवगत कराया गया। तकनीकी सहायता की मदद से पुलिस टीम ने शीर्षक ही मके नगर स्थित स्ट्रीट नंबर-7 के पास पीडित के घर का पता लगाया। इसके बाद पुलिस कांस्टेबल सी. विजय कुमार नायक और टीजीएसपी कांस्टेबल

तिरुपति तत्काल मौके पर पहुंचे। घर के अंदर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मल्लेश आत्महत्या का प्रयास कर रहे थे।

पुलिस कर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए उन्हें बचा लिया। इसके बाद व्यक्ति को ओयू सिटी पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां निरीक्षक एम. महेश ने उसे परामर्श दिया। मानसिक रूप से स्थिर होने के बाद उसे सुरक्षित रूप से उसके परिवजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की तत्परता और साहसिक कार्रवाई की वरिष्ठ अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव का रविंद्र भारती में होगा नागरिक अभिनंदन

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से सील वेल कॉरपोरेशन, श्रुतिलय आर्ट्स अकादमी तथा आदर्श फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 19 मई को शाम 5.30 बजे रविंद्र भारती में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं सरकार के बीसी कल्याण विभाग के सलाहकार वी. हनुमंतराव का नागरिक अभिनंदन एवं सील वेल श्रुतिलय जीवन साफल्य पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। आवाइर्स कमेट्री के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. महमद रफी ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र भी जारी किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के



रूप में तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में राज्य के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुर्दिहल्ला श्रीधर बाबू, विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस. मधुसूदनाचारी तथा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष कोल्लेटी दामोदर गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति

शामिल होंगे। इसके अलावा बंडारू सुब्बाराव, डॉ. बी. भीमेरेड्डी, मुत्ताल्ला हरिकिशन तथा टी. रामकृष्ण समेत अन्य लोग भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। डॉ. महमद रफी ने कहा कि वी. हनुमंतराव ने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, एआईसीसी कर्नाटक प्रभारी, चेन्ना रेड्डी मंत्रिमंडल में मंत्री, विधायक, एमएलसी तथा सांसद के रूप में

पीओसीएसओ मामले को लेकर बीआरएस महिला नेताओं ने भाग्यलक्ष्मी मंदिर में की विशेष पूजा

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस की महिला नेताओं ने सोमवार को चाचीमारी स्थित ऐतिहासिक भाग्यलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और केंद्रीय मंत्री तथा उनके बेटे साई बेगौरथ से जुड़े पीओसीएसओ मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

वरिष्ठ नेता गोंगीटी सुनीता और तुला उमा के नेतृत्व में महिला नेताओं ने मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान किए। इस दौरान उन्होंने मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि यदि वह पद नहीं छोड़ते हैं तो भाजपा को उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाना चाहिए, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

मीडिया से बातचीत करते हुए गोंगीटी सुनीता ने कहा कि

पुलिस से बचने के प्रयास में ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

करीमनगर, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर ग्रामीण मंडल के दुर्गुंद गांव के बाहरी इलाके में सोमवार तड़के एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गुनाला हरीश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार हरीश अवैध रूप से गोल्लापल्ली क्षेत्र से रेत लेकर जा रहा था। इसी दौरान दुर्गुंद के बाहरी इलाके में पुलिस को देखकर उसने बचने के लिए ट्रैक्टर की लाइट बंद कर दी और वाहन को सड़क किनारे धान के खेतों की ओर मोड़ दिया। बताया जा रहा है कि खेत की ओर जाने समय ट्रैक्टर एक पत्थर से टकरा गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलटा गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक हरीश की मौके पर ही मौत हो गई।